दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शनिवार 29 नवम्बर-2025 ● वर्ष : 10 अंक : 341 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

गीता ने सिखाया-अत्याचारियों का अंत भी जरूरी: पीएम मोदी

'सबका साथ, सबका विकास' की नीति भगवान श्रीकृष्ण के श्लोकों से प्रेरित- पीएम

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा, 'यहां आने से तीन दिन पहले मैं अयोध्या में था। 25 नवंबर को विवाह पंचमी के पावन दिन अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में धर्म ध्वजा की स्थापना हुई है... राम मंदिर आंदोलन में उडुपी की भूमिका कितनी बड़ी है सारा देश इसे जानता है।' उन्होंने कहा, 'आज हमारी 'सबका साथ, सबका विकास', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की नीतियां भगवान श्री कृष्ण के इन श्लोकों से प्रेरित हैं। भगवान श्री कृष्ण हमें गरीबों की मदद करने का मंत्र देते हैं और इसी मंत्र की प्रेरणा आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं का आधार बनती है... भगवान श्री कृष्ण हमें महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण का ज्ञान सिखाते हैं और इन्हीं की प्रेरणा से देश नारी शक्ति वंदन अधिनियम का ऐतिहासिक फैसला लेता है।'

नई दिल्ली। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने एकदिवसीय कर्नाटक दौरे पर पहुंचे। जहां उडुपी में जगद्गुरु श्री श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी ने विश्व गीता पर्याय- लक्ष्य कंठ गीता परायण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया।

'उडुपी जनसंघ और भाजपा के सुशासन मॉडल की कर्मभूमि'

इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'उडुपी आना मेरे लिए खास इसलिए भी है क्योंकि उडुपी जनसंघ और भाजपा के सुशासन मॉडल की कर्मभूमि रही है। 1968 में, उडुपी के लोगों ने हमारे जनसंघ के वी.एस. आचार्य को यहां के नगरपालिका परिषद में जिताया था... आज हम देश भर में जो स्वच्छता अभियान देख रहे हैं, उसे उडुपी ने पांच दशक पहले अपनाया था...'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, 'हमारे समाज में मंत्रों, गीता के श्लोकों का पाठ शताब्दियों से हो रहा है पर जब एक लाख कंठ एक स्वर में इन श्लोकों का ऐसा उच्चारण करते हैं... तो ऐसी ऊर्जा निकलती है जो हमारे मन, मस्तिष्क को एक नया स्पंदन, नई शक्ति देती है... यही ऊर्जा अध्यात्म की शक्ति भी है, यही ऊर्जा सामाजिक एकता की शक्ति है इसलिए आज लक्ष कंठ गीता का ये अवसर एक विशाल ऊर्जा पिंड को अनुभव करने का अवसर बन गया है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, 'श्री कृष्ण ने युद्ध की भूमि पर गीता का संदेश दिया था और भगवत गीता हमें सिखाती है कि शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत भी जरूरी है... हम लाल किले की प्राचीर से श्री कृष्ण की करुणा का संदेश देते हैं और उसी प्राचीर से हम मिशन सुदर्शन चक्र का भी उद्घोष करते हैं... देश ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में हमारा संकल्प देखा है... हम शांति स्थापित करना भी जानते हैं और शांति की रक्षा करना भी जानते हैं।'

ट्रैफिक पुलिस ने स्विग्गी डिलीवरी पार्टनर्स को किया बेसिक लाइफ सपोर्ट के लिए तैयार

- जीवन रक्षा के लिए नया कदम

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा चल रहे यातायात माह के तहत शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित परमजीत हाल में विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्विग्गी के 100 डिलीवरी पार्टनर्स ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में दुर्घटना की स्थिति में जीवन बचाने के लिए जरूरी जीवन रक्षक प्राथमिक उपचार और सीपीआर तकनीक की जानकारी चिकित्सकों द्वारा दी गई। चिकित्सकों ने बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद शुरूआती क्षण बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, ऐसे में सही तरीके से प्राथमिक उपचार देकर किसी की जान बचाई जा सकती है।

अधिकारियों ने कहा कि गाजियाबाद में बड़ी संख्या में स्विग्गी डिलीवरी पार्टनर्स सड़कों पर सक्रिय रहते हैं, इसलिए आपात स्थिति में वे अपने साथियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी तत्काल मदद दे सकें, इसी उद्देश्य से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

पुलिस अधिकारियों और कंपनी प्रतिनिधियों की रही मौजूदगी

करंट क्राइम : कार्यक्रम में एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन, सभी ट्रैफिक इंस्पेक्टर, स्विग्गी के जनरल मैनेजर शिवा, मोहित गुप्ता, आदर्श शुक्ला, राहुल सोलंकी तथा डॉक्टरों की टीम मौजूद रही। एसीपी जियाउद्दीन ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य डिलीवरी बॉयज को किसी भी आपात स्थिति में सीपीआर और बेसिक लाइफ सपोर्ट देने में सक्षम बनाना है, ताकि सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं में तुरंत सहायता दी जा सके।

यातायात नियमों का संदेश और जीवन रक्षा का पाठ

करंट क्राइम : यातायात माह के अंतर्गत जहां लोगों को नियमों का पालन करने का संदेश दिया जा रहा है, वहीं ट्रैफिक पुलिस ने स्विग्गी के 100 कर्मचारियों को हार्ट अटैक जैसी आपात स्थितियों में तुरंत राहत देने के तरीके, गोल्डन आवर का महत्व और जरूरी सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि ऐसे प्रशिक्षण से सड़क पर मौजूद कर्मियों की तत्परता बढ़ेगी और कई कीमती जीवन बचाए जा सकेंगे।

सांसद अतुल गर्ग के हाईकोर्ट बैंच सुझाव पर हुआ गम्भीरता से अमल

बनेगा रास्ता और दिखाई देगी वेस्ट यूपी में बैंच की चहल-पहल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हाईकोर्ट बैंच की मांग हरित प्रदेश की मांग से भी पुरानी मांग है। लगभग चार दशक से हाईकोर्ट बैंच की मांग अधिवक्ता करते आ रहे हैं। कई बार इस मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने बड़े आन्दोलन किये। फिर एक परम्परा विरोध की ये शुरू हुई कि शनिवार को अधिवक्ता हाईकोर्ट बैंच की मांग करते हुए न्याय कार्य से ही विरत रहने लगे।

इन चार दशकों में कई सरकारें आई और गयीं । केन्द्र में सरकारें बदली लेकिन ये एक ऐसा मुददा रहा जो कभी हल नहीं हुआ। बैंच की मांग को लेकर एक तर्क ये भी दिया जाता रहा कि यदि प्रयागराज से हाईकोर्ट की बैंच पश्चिम के किसी जिले में शिफ्ट हुई तो इससे प्रयगराज के अधिवक्ताओं के प्रोफेशन पर असर पड़ेगा। मगर अब समय बदला है और चार दशक में कई चीजें बदल गयी हें।

चार दशक पहले गाजियाबाद और नोएडा एक थे लेकिन अब ये अलग जिले हो गये। हापुड़ अलग जिला हो गया। पूर्वांचल से एक बड़ी आबादी पश्चिम में रोजगार के लिए आई और यहीं स्थापित हो गयी यहीं की निवासी हो गयी। सबसे बड़ी बात ये है कि हाईकोर्ट बैंच की मांग अधिवक्ता तो कर ही रहे हैं लेकिन इसकी जरूरत अधिवक्ताओं से ज्यादा उसवर्ग को है जो किसी भी मुकदमें में हाईकोर्ट की शरण में जाने को मजबूर हो जाता है। एक मध्यम वर्गीय व्यक्ति का बजट हाईकोर्ट की तारीखें भुगतने में ही बिगड़ जाता है। कई मामलों में तो ऐसा होता है कि लोग महीनो तक इसलिए कारावास में रह जाते हैं क्योंकि उनके पास पैरवी के पैसे भी नहीं होते। अब इस मामले में रोशनी की एक किरण लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने दिखाई है। अतुल गर्ग के आवास पर अधिवक्ता ज्ञापन लेकर पहुंचे थे। अतुल गर्ग ने इस ज्ञापन पर संज्ञान लिया है और उन्होंने ये सुझाव दिया कि सबसे पहले तो इस मुददे को व्यवसाय नहीं न्याय से जोड़ा जाना चाहिए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक बड़ी आबादी रहती है और यह मुददा उन लाखों लोगों का है जो अपने विभिनन मामलों की पैरवी के लिए हाईकोर्ट जाते हैं।

अगर हाईकोर्ट की बैंच किसी जिले में स्थापित होगी तो लाखों लोगों को इसका लाभ मिलेगा। दूसरा उन्होंने देश के राज्यों का हवाला दिया और कहा कि किसी भी राज्य में हाईकोर्ट बैंच की दूरी उस राज्य के किसी भी जिले से ढाईसौ किलोमीटर से अधिक नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि ढाई सौ किलोमीटर वाले नियम पर काम होगा तो एक हाईकोर्ट की तीन बैंच स्थापित होंगी और पूरब से लेकर पश्चिम तक उत्तर प्रदेश में आम जनता को सस्ता और सुलभ इंसाफ मिलेगा। सबसे बड़ी बात ये है कि सांसद अतुल गर्ग से इस प्रस्ताव पर विपक्ष कितना एकजुट होकर उन्हें सपोर्ट करेगा। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि ये जनता का मुददा है, ये न्याय का मुददा है और इस पर भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा सभी को एक होकर आगे आना होगा।

अब यहां अतुल गर्ग ने हाई कोर्ट बैंच की मांग वाली बॉल विपक्ष के पाले में डाल दी है। अब जनता भी देख रही है कि सांसद तैयार है और विपक्ष किस तरह से इसे सपोर्ट करता है। अधिवक्ताओं से लेकर आम जनता तक ये मानना है कि यदि लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के सुझाव पर अमल हुआ तो फिर ज्युडिशरी के गलियारों में चहल पहल दिखाई देगी।

यहां दशकों पुरानी ये समस्या सुलझ सकती है। वो सुझाव लेकर आये हैं और सबसे खास बात ये है कि उन्होंने इस समस्या को अधिवक्ताओं से नहीं बल्कि आम आदमी की इंसाफ की लड़ाई से जोड़ा है और यहां वो विपक्ष को भी एक गाईडलाइन दे रहे हैं कि ये मुददा आम आदमी का है और आप लोग इसे सपोर्ट करें।

लोकसभा सांसद अतुल गर्ग उठायेंगे संसद के सत्र में ये आवाज

करंट क्राइम। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग की अगर सांसद वाली पारी को देखें तो उन्होंने कई वादों को बड़ी जिम्मेदारी से निभाया है। जिस एयरपोर्ट के रनवे से हवाई जहाज ही नहीं उड पा रहे थे और 60 महीने बीत गये थे। अतुल गर्ग ने सांसद बनते ही 6 महीने के भीतर यहां से उडान शुरू करा दी। दिशा की बैठक में बड़े मामलों को उठाया। जीएसटी के अधिकारियों को समझाया कि व्यापारी को चोर की दृष्टि से ना देखें वो देश का सम्मानित कर दाता होता है। ऐसे में जब लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने इस मुददे पर संज्ञान लिया है तो ये तय माना जा रहा है कि वो लोकसभा के सत्र में हाईकोर्ट बैंच के मुददे को रखेंगे। समय गवाह है कि उन्होंने जिन मुददों को रखा है उन पर एक्शन जरूर हुआ है। स्ट्रीट डॉग्स पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस बात काप्रतीक है। वैसे भी हाईकोर्ट बैंच की ये मांग एक व्यक्ति या एक समुदाय की नहीं बल्कि पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई जिलों की मांग है।

क्या अधिवक्ता साथी विधायकों और पूर्व मंत्री का मिलेगा उन्हें सहयोग

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ने तीन हाईकोर्ट बैंच और 250 किलोमीटर की दूरी का फार्मूला दिया है। उम्मीद है कि ये आवाज संसद में गूंजेगी। अब देखनाये है कि अतुल गर्ग को अपने अधिवक्ता राजनीतिक साथियों का सहयोग मिलेगा। कैबिनेट मंत्री सुनिल शर्मा अधिवक्ता हैं, मुरादनगर विधायक अजितपाल त्यागी अधिवक्ता हैं, लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जरअधिवक्ता है। पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी अधिवक्ता रहे है। समाजवादी पार्टी के नेता नहार सिंह यादव अधिवक्ता हैं, रालोद के नेता अजयवीर चौधरी अधिवक्ता हैं। ऐसे में अब ये देखना भी रोचक होगा कि सांसद अतुल गर्ग को अपने अधिवक्ता राजनीतिक साथियों से कितना सपोर्ट मिलेगा।

लोकसभा की दावेदारी में आ गया है अंदरखाने त्यागी फैक्टर का ट्विस्ट

क्यों गिनाये जा रहे हैं गांव और क्या तैयार हो रही है त्यागी बाहुल्य गावों की लिस्ट

गाजियाबाद करंट क्राइम। वैसे तो गाजियाबाद की पॉलिटिकल जमीन ऐसी है कि यहां लोकसभा में ठाकुर, विधानसभा में वैश्य,त्यागी , ब्राहमण और अन्य जातियों का जलवा रहता है। बीते दिनों देश की सबसे बड़ी विधानसभा से लेकर देहात की विधानसभा तक ये आवाज उठने लगी है कि आखिर यहां भगवा राजनीति में ठाकुरों को हाशिये पर क्यों रखा जा रहा है।

यहां ठाकुर राजनीति की बात करें तो चार बार रमेश चंद तोमर यहां से सांसद रहे। उसके बाद एक बड़े चेहरे के रूप में यहां से राजनाथ सिंह लोकसभा का चुनाव जीते और ये बड़ा चेहरा इसलिए भी कि उस समय राजनाथ सिंह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। इसके बाद यहां बिल्कुल नये चेहरे के रूप में जनरल वीके सिंह को टिकट दिया। भाजपा का ये प्रयोग सफल रहा और जनरल वीके सिंह रिकॉर्ड वोटों से चुनाव जीते। इसके बाद उन्हें दूसरी बार भी टिकट मिला और वो दूसरी बार भी चुनाव जीते। फिर राजनीति में ऐसी करवट ली कि यहां भाजपा ने लोकसभा टिकट चेंज कर दिया और ठाकुर चेहरे को टिकट ना देकर वैश्य समीकरण पर दाव खेला। भाजपा का ये प्रयोग सफल रहा और यहां से अतुल गर्ग लोकसभा का चुनाव जीते।

इसके बाद से लगातार अंदरखाने ये आवाज उठ रही है कि ठाकुरों को भगवा सियासत में यहां हाशिये पर रख जा रहा है। उनके समाज का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, कोई सांसद नहीं है, कोई एमएलसी नहीं है। मगर अब ठाकुर राजनीति की इस चर्चा के रूप मे एंट्री त्यागी फैक्टर की भी हो रही है। यहां पर ये आवाज आने लगी है कि अगर गांव को समीकरण मान रहे हो तो गांव हमारे ज्यादा हैं। वो गिना रहे हैं कि कितने गांव हमारे हैं। जिस धौलाना में राजपुताना की बात हो रही है उसके बारे में ये कहा जा रहा है कि यहां 35 गांव ठाकुरों के हैं लेकिन इन गावों में 60 प्रतिशत आबादी मुस्लिमों की है। बताया जा रहा है कि यहां राजपूत मुस्लिम भी हैं और इसी तहर मुरादनगर विधानसभ में सिफ एक गांव ठाकुरों का बताया जा रहा है। साहिबाबाद में केवल दो गांव करहैडा और कडकड मॉडल ठाकुरों के गांव हैं । जिनमें करहैडा में चौहान और कडकड मॉडल में राघव रहते हैं। लोनी में एक गांव भी ठाकुरों का नहीं है।

सियासत में अब हो रही है गांव के हिसाब से समीकरण की काउंटिंग

करंट क्राइम। ठाकुर आवाज के बीच अब यहां एंट्री त्यागी दावेदारी की हो रही है। ठाकुरों की आबादी बताने के साथ साथ त्यागी बाहुल्य गांव बताये जा रहे हैं। ये बताया जा रहा है कि गाजियाबाद लोकसभा में सबसे ज्यादा 67 गांव त्यागी समाज के हैं। इनमें 13 गांव धौलाना के हैं और तीन गांव में नासिरपुर, बोंझा और डूंडाहेडा आते हैं। 32 गांव मुरादनगर विधानसभा में हैं जबकि 16 गांव यहां जाटों के बताये जाते हैं। मुरादनगर विधानसभा में रावली और दुहाई में त्यागी और जाट दोनों मिश्रित आबादी है। साहिबाबाद विधानसभा की बात करें तो सिहानी नूर नगर , सददीकनगर, घूकना त्यागी समाज के गांव हैं। लोनी में 13 गांव त्यागी बाहुल्य बताये जाते हैं। यहां से लोकसभा की दावेदारी में त्यागी टविस्ट आ रहा है।

बालेश्वर त्यागी से लेकर राजपाल त्यागी तक सियासी समीकरण

करंट क्राइम। एक लम्बा समय बीता है और यहां अगर जनप्रतिनिधि वाली पारी की बात करें और त्यागी समाज की भागीदारी की बात करें तो इस समाज के नेता चुनाव जीते भी हैं , हारे भी हैं लेकिन यहां दल कोई सा भी हो । त्यागी समाज अपनी बिरादरी के नेताओं को चुनाव लड़ाता दिखाई दिया है। बालेश्वर त्यागी यहां विधायक रहे और यहां वो तीन विभागों के मंत्री रहे। वो उत्तर प्रदेश सरकार में ग्रह राज्य मंत्री रहे। वो व्यापार कर मंत्री रहे और बेसिक शिक्षा मंत्री रहे। चुनाव हारने के बाद फिर वो धीरे धीरे हाशिये पर आ गये और फिर बाद में वो खुद ही वीआरएस मोड में चले गये। स्वर्गीय राजपाल त्यागी तो ऐसे नेता रहे जिनके बारे में ये कहा जाता था कि राजनितिक दलों को उनकी जरूरत होती थी। वो खुद तो निर्दलीय भी चुनाव जीत जाते थे। वो दो बार कैबिनेट मंत्री रहे। वो अपना अंतिम चुनाव भी केवल परिसीमन के चलते हार गये थे । और बड़े मामूली अंतर से वो चुनाव जीतते जीतते रह गये थे। अन्य दलों की बात करें तो उपचुनाव में कांग्रेस के सतीश त्यागी बेहद मजबूती से लड़े थे। ये उनकी मजबूती थी कि यहां कांग्रेस दूसरे पर और भाजपा तीसरे पर आयी थी। हालाकि फिर इसके बाद समीकरण बदले और मौजूदा समय में अजितपाल त्यागी मुरादनगर से विधायक हैं। लगातार दूसरी बार विधायक हैं। मुरादनगर की राजनिति के बड़े खिलाड़ी माने जाते हैं। ऐसे में यहां और कौन से चेहरे तैयार हो रहे हैं ये समय आने पर पता चलेगा। मगर यहां धीरे धीरे अब त्यागी समाज ने अपनी राजनितिक भागीदारी को लेकर आवाज उठानी शुरू की है।

एमएलसी और मेयर चुनाव में क्या दिखेगी समाज की दावेदारी

करंट क्राइम। राजनितिक सूत्र ये बताते हैं कि वोटों की ये कांउटिंग, बिरादरी के ये गांव ऐसे ही नहीं गिनाये जा रहे हैं। अब धीरे धीरे त्यागी समाज अपनी राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना चाहता है । हालाकि अगर बिरादरी के गणित से देखें तो जिला पंचायत अध्यक्ष ममता बसंत त्यागी हैं। मुरादनगर विधायक अजितपाल त्यागी हैं। लेकिन एक चर्चा ये लगातार हो रही है कि अब इस समाज के कुछ चेहरे एमएलसी चुनाव से लेकर मेयर चुनाव तक अपनी भागीदारी को लेकर दावेदारी करेंगे। बताया ये भी जाता है कि अब वो जब बिरादरी की बात आती है तो वैश्य समाज के जनप्रतिनिधियों को गिनाते हैं। वो ये बतानानहीं भूलते कि अगर यहां एक से अधिक चेहरे हो सकते हैं तो हमारे ही समाज से कोई एमएलसी या मेयर क्यों नहीं हो सकता।

कर्नाटक में प्रधानमंत्री मोदी: उडुपी में विशाल गीता पारायण
सुवर्ण तीर्थ मंतपह्न का किया उद्घाटन

उडुपी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक के दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी उडुपी में श्री कृष्ण मठ पहुंचे हैं, जहां वे 'लक्ष कंठ गीता पारायण' कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। इस कार्यक्रम में करीब एक लाख लोगों ने- जिसमें छात्र, साधु-संत, विद्वान और आम नागरिक शामिल हैं- एक साथ श्रीमद्भगवद गीता का पाठ किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने एकदिवसीय कर्नाटक दौरे पर पहुंच गए हैं। जहां उडुपी में जगद्गुरु श्री श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी ने विश्व गीता पर्याय- लक्ष्य कंठ गीता परायण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया। 'उडुपी जनसंघ और भाजपा के सुशासन मॉडल की कर्मभूमि'

इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'उडुपी आना मेरे लिए खास इसलिए भी है क्योंकि उडुपी जनसंघ और भाजपा के सुशासन मॉडल की कर्मभूमि रही है। 1968 में, उडुपी के लोगों ने हमारे जनसंघ के वी.एस. आचार्य को यहां के नगरपालिका परिषद में जिताया था... आज हम देश भर में जो स्वच्छता अभियान देख रहे हैं, उसे उडुपी ने पांच दशक पहले अपनाया था...'

ऊर्जा अध्यात्म की शक्ति भी है- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, 'हमारे समाज में मंत्रों, गीता के श्लोकों का पाठ शताब्दियों से हो रहा है पर जब एक लाख कंठ एक स्वर में इन श्लोकों का ऐसा उच्चारण करते हैं... तो ऐसी ऊर्जा निकलती है जो हमारे मन, मस्तिष्क को एक नया स्पंदन, नई शक्ति देती है... यही ऊर्जा अध्यात्म की शक्ति भी है, यही ऊर्जा सामाजिक एकता की शक्ति है इसलिए आज लक्ष कंठ गीता का ये अवसर एक विशाल ऊर्जा पिंड को अनुभव करने का अवसर बन गया है।' 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति भगवान श्रीकृष्ण के श्लोकों से प्रेरित- पीएम पीएम मोदी ने इस दौरान कहा, 'यहां आने से तीन दिन पहले मैं अयोध्या में था।

'देश ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में हमारा संकल्प देखा'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, 'श्री कृष्ण ने युद्ध की भूमि पर गीता का संदेश दिया था और भगवत गीता हमें सिखाती है कि शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत भी जरूरी है... हम लाल किले की प्राचीर से श्री कृष्ण की करुणा का संदेश देते हैं और उसी प्राचीर से हम मिशन सुदर्शन चक्र का भी उद्घोष करते हैं... देश ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में हमारा संकल्प देखा है... हम शांति स्थापित करना भी जानते हैं और शांति की रक्षा करना भी जानते हैं।'

'सुवर्ण तीर्थ मंतप' का उद्घाटन

अपने इस दौरे के दौरान पीएम मोदी ने 'सुवर्ण तीर्थ मंतप' का उद्घाटन किया, जो भगवान कृष्ण के गर्भगृह के सामने बनाया गया है। इसके अलावा उन्होंने 'कनक कवच' भी समर्पित किया। यह कनाकाना किंदी पर स्वर्ण आवरण है, जहां से भक्त और संत कनकदास ने पहली बार भगवान कृष्ण के दर्शन किए थे। श्री कृष्ण मठ की स्थापना करीब 800 साल पहले श्री मध्वाचार्य ने की थी, जो द्वैत वेदांत दर्शन के संस्थापक थे।

दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याएँ:
80% लोग बीमार, 31% शहर छोड़ने पर गंभीर

नई दिल्ली। स्मिटेन पल्सएआई के सर्वे से पता चलता है कि 80 फीसदी से ज्यादा लोग स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें पुरानी खांसी, थकान, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण शामिल हैं। 68.3 फीसदी लोग पिछले एक साल में खासतौर पर प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के लिए डॉक्टर के पास गए।

दिल्ली-एनसीआर की लगातार जहरीली होती हवा से खराब होती सेहत को देखते हुए बड़ी संख्या में लोगों ने शहर बदलने का प्लान बनाना शुरू कर दिया है। 31 फीसदी तो इस विषय में गंभीरता से सोचने लगे हैं और दूसरे शहरों में घर देखने से लेकर बच्चों के स्कूल के बारे में भी पता कर रहे हैं। यह खुलासा स्मिटेन पल्सएआई के सर्वे में हुआ है। पता चला है कि 80 फीसदी से ज्यादा लोग स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें पुरानी खांसी, थकान, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण शामिल हैं।

68.3 फीसदी लोग पिछले एक साल में खासतौर पर प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के लिए डॉक्टर के पास गए। सर्वेक्षण के अनुसार, प्रदूषण के कारण 79.8 फीसदी लोग कहीं और जाने के बारे में सोचने लगे हैं तो 33.6 फीसदी लोग शहर बदलने की तैयारी में हैं जबकि 15.2 फीसदी लोग तो दूसरी जगह शिफ्ट भी हो चुके हैं। 31 फीसदी लोग इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इनमें से अधिकतर ने शहरों में घर देखने, बच्चों के स्कूलों में पूछताछ करने और परिवार के साथ शिफ्टिंग की प्लानिंग तक शुरू कर दी है। लोग खास तौर पर पहाड़ी इलाकों, कम फैक्ट्रियों वाले छोटे शहरों और दिल्ली-एनसीआर के बाहर ऐसी जगहें पसंद कर रहे हैं, जहां हवा थोड़ी साफ हो।

हाई टेक कंटीन्यूअस एंबिएंट एयर क्वॉलिटी मॉनिटरिंग स्टेशन (सीएएक्यूएमएस) लगाने का पूरा प्रोजेक्ट दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के पास है, जिसमें स्टेशन की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, कमिशनिंग, संचालन और 10 साल तक की पूरी देखभाल होगी। पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, नए स्टेशनों से प्रदूषण हॉटस्पॉट की पहचान, प्रदूषण स्त्रोतों की समझ और समय पर कार्रवाई आसान होगी।

प्रदूषण ने जेब पर डाला बोझ

सर्वे में बताया गया है कि प्रदूषण ने लोगों की जेब पर भी बड़ा असर डाला है। 85.3 फीसदी परिवारों ने बताया कि घर के खर्च बढ़ गए हैं, इसमें एयर प्यूरीफायर, मास्क, दवाएं और डॉक्टर के चक्कर अब रोजमर्रा का हिस्सा बन गए हैं। 41.6 फीसदी लोग तो आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। सर्वे जारी करते हुए स्मिटेन पल्सएआई के सह-संस्थापक स्वागत सारंगी ने कहा कि लगातार खराब हवा सिर्फ पर्यावरण की समस्या नहीं रह गई है। यह अब जीवनशैली, स्वास्थ्य और रहने-जैसे फैसलों को प्रभावित कर रही है। ऐसे हालात में लगातार और मिलकर काम करने की जरूरत है।

दिल्ली में 6 नए हाई-टेक एयर मॉनिटरिंग स्टेशन बनेंगे

शहर में हवा की निगरानी को मजबूत बनाने के लिए 6 नए कंटीन्यूअस एंबिएंट एयर क्वॉलिटी मॉनिटरिंग स्टेशन लगाने का काम सरकार ने शुरू कर दिया है। सभी स्टेशन 15 जनवरी तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। इनसे प्रदूषण स्तर, मौसम और हवा की दिशा-गति की वास्तविक जानकारी 24 घंटे मिलेगी।

मेवाड़ के सांवलिया सेठ मंदिर में अब तक का सबसे बड़ा चढ़ावा: 51 करोड़, ढेरों सोना-चांदी मिला

मेवाड़। मेवाड़ के प्रसिद्ध सांवलिया सेठ मंदिर में पहली बार चढ़ावे ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। दो माह बाद खोले गए भंडार से राशि के साथ एक किलो 204 ग्राम सोना और 207 किलो 793 ग्राम चांदी भी प्राप्त हुई।

यह अब तक का सबसे बड़ा चढ़ावा माना जा रहा है। मेवाड़ के सुप्रसिद्ध कृष्ण धाम श्री सांवलिया सेठ के मंदिर में पहली बार चढ़ावा राशि का नया रिकॉर्ड बना। दान पात्र से 40 करोड़ और भेंट कक्ष में 10 करोड़ से ज्यादा का चढ़ावा मिला। कुल करीब 51 करोड़ रुपये की चढ़ावा राशि निकली। इसके अलावा करीब 2 क्विंटल चांदी तथा एक किलो सोना भी प्राप्त हुआ।

सांवलिया सेठ के भंडार की गणना 6 चरण में गुरुवार को पूर्ण हुई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा गौतम ने बताया कि गत कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को भगवान श्री सांवलिया सेठ का भंडार खोला गया। इस बार दो माह का भंडार खुला। चतुर्दशी को 2 दिवसीय मासिक मेले के पहले दिन कड़ी सुरक्षा के बीच ठाकुरजी का भंडार खोला गया।

6 चरणों में हुई गणना

श्री सांवरिया सेठ मंदिर का भंडार 19 नवंबर को खोला गया। जिसके दानपात्र से पहले चरण में 12 करोड़ 35 लाख रुपये की राशि की गणना की गई। दूसरे चरण की गणना में 8 करोड़ 54 लाख रुपये की राशि की गणना की गई। तीसरे चरण में करीब 7 करोड़ 8 लाख 80 हजार रुपये की गणना की गई। चौथे चरण में 8 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि की गणना की गई। पांचवें चरण की गणना में निकले करीब 4 करोड़ 19 लाख 79 हजार के साथ ही यह आंकड़ा 40 करोड़ के पार हो गया। वहीं छठे और अंतिम चरण की गणना में 41 लाख 1 हजार 543 रुपये की गणना की गई। गणना के बाद भंडार की दान पेटी से कुल प्राप्त राशि 40 करोड़ 74 लाख 40 हजार 593 रुपये निकली है।

चढ़ावा राशि का आंकड़ा अपना गत वर्ष का रिकॉर्ड तोड़कर पहुंचा 51 करोड़ के पार

इस बार खुले भंडार से 6 चरणों में हुई गणना से निकले 40 करोड़ 74 लाख 40 हजार 543 रुपये है। वहीं मनीऑर्डर/ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और भेंट कक्ष से प्राप्त राशि का आंकड़ा 10 करोड़ 52 लाख 89 हजार 569 रुपये है। जो कुल मिलाकर 51 करोड़ 27 लाख 30 हजार 112 रुपये है। जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

सोना और चांदी भी निकले भंडार से

श्री सांवलिया सेठ जी के भंडार से सोना और चांदी भी हर बार निकलते हैं, जिनका आंकड़ा अबकी बार क्रमशः इस प्रकार है। दानपात्र से निकला सोना 985 ग्राम है और भेंट कक्ष में प्राप्त हुआ सोना 219 ग्राम 400 मिलीग्राम है जिसका कुल वजन एक किलो 204 ग्राम 400 मिलीग्राम है। दानपात्र से निकली चांदी 86 किलो 200 ग्राम है और भेंट कक्ष में प्राप्त हुई चांदी 121 किलो 593 ग्राम है, जिसका कुल वजन 207 किलो 793 ग्राम है।

आईटीएस मोहन नगर में हैकाथॉन का भव्य आयोजन, छात्रों ने दिखाई कोडिंग प्रतिभा

गाजियाबाद करंट क्राइम। आईटीएस मोहन नगर, गाजियाबाद में आज 28 नवंबर 2025 को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा हैकाथॉन का भव्य आयोजन किया गया। यह पूरे दिन चलने वाला नॉन-स्टॉप कोडिंग कार्यक्रम रहा, जिसमें एमसीए एवं बीसीए पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रोग्रामिंग और तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

आईटीएस समूह के माननीय चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा ने अपने संदेश में इस आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्रों के नवाचार प्रयासों की सराहना की। वहीं, माननीय वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा ने कहा कि इस तरह के हैकाथॉन न केवल छात्रों की तकनीकी दक्षता को बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के साथ-साथ स्टार्टअप संस्कृति को भी प्रोत्साहित करते हैं।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन आईटीएस मोहन नगर के निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय, एमसीए पाठ्यक्रम की संयोजिका डॉ. पूजा धर, सह-संयोजिका प्रो. स्मिता कंसल तथा आयोजन समिति के सदस्य प्रो. सौरभ सक्सेना, प्रो. अश्विनी कुमार और प्रो. अभय कुमार राय द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि यह मंच युवाओं में नवाचार, स्टार्टअप सोच, नेतृत्व क्षमता और प्रोग्रामिंग उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि छात्रों को इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से तकनीकी विशेषज्ञों के साथ ज्ञान साझा करने और वास्तविक समस्याओं पर कार्य करने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि आईटीएस मोहन नगर सदैव से विद्यार्थी-केंद्रित पहलों के लिए जाना जाता रहा है, जहां इनोवेशन, इंडस्ट्री इंटीग्रेशन और इंटेलिजेंट स्किल डेवलपमेंट को प्राथमिकता दी जाती है। हैकाथॉन के दौरान प्रतिभागियों ने रीयल-टाइम तकनीकी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में नवाचार, एल्गोरिद्म, कोड ऑप्टिमाइजेशन और टीमवर्क के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

इस प्रतियोगिता में हर्ष त्यागी और लोकेश की टीम को प्रथम पुरस्कार, बिपाशा चौधरी को द्वितीय पुरस्कार तथा ऋषभ भट्ट और मनीष कुमार की टीम को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेता टीमों को नकद पुरस्कार, मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सभी शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे और उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

रोड शो में आतिशी ने उम्मीदवारों के समर्थन में बनाया माहौल, कहा- भाजपा का होगा सफाया

दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने नारायणा और शालीमार बाग में रोड शो कर आप उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासी भाजपा से परेशान हैं और उपचुनाव में बदलाव चाहते हैं। केजरीवाल सरकार की सुविधाओं को जनता का भरोसा बताते हुए भाजपा पर गरीबों को उजाड़ने का आरोप लगाया।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने शुक्रवार को नारायणा और शालीमार बाग में रोड शो कर एमसीडी उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में माहौल बनाया। उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक भी मौजूद थे। इस दौरान आतिशी ने दावा किया कि दिल्लीवाले रेखा गुप्ता की भाजपा सरकार से बेहद परेशान हैं और उपचुनाव में भाजपा को सबक सिखाने का मन बना चुके हैं। आतिशी ने कहा कि लोगों को अब अरविंद केजरीवाल की काम-आधारित राजनीति चुनने का सही मौका मिला है। क्योंकि केजरीवाल सरकार ने बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मुफ्त और जरूरी सुविधाओं के जरिए गरीबों के जीवन में सुधार की कोशिश की, लेकिन भाजपा ने गरीबी हटाने के नाम पर गरीबों को ही हटा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने झुग्गी बस्तियों में बुलडोजर चलाकर हजारों परिवार उजाड़ दिए, जबकि आम आदमी पार्टी ही गरीबों की लड़ाई लड़ रही है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला
अब आधार कार्ड से जन्म तिथि साबित नहीं होगी

लखनऊ। यूपी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अब आधार कार्ड को जन्म तिथि साबित करने के लिए मान्य दस्तावेज नहीं माना जाएगा, क्योंकि इसमें जन्म तिथि का प्रमाणित रिकॉर्ड नहीं होता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने आधार कार्ड से जुड़े नियम को बदल दिया है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब आधार कार्ड को जन्म प्रमाण पत्र या जन्म तिथि के प्रमाण के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में नियोजन विभाग ने सभी विभागों को निर्देश जारी कर दिए हैं। नियोजन विभाग के विशेष सचिव अमित सिंह बंसल ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (वक्ऊअक) के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि आधार कार्ड में जन्म तिथि का कोई प्रमाणित दस्तावेज संलग्न नहीं होता। इस लिए इसे जन्म तिथि प्रमाण पत्र के रूप में नहीं माना जा सकता है।

इस संबंध में यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के उप निदेशक ने सरकार को पत्र लिखा था। इस पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि आधार कार्ड जन्म तिथि का अनुमन्य

प्रमाण नहीं है। आधार सिर्फ पहचान व सत्यापन का साधन है। जन्म तिथि सत्यापन का यह प्रमाण नहीं है।

नियोजन विभाग ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव व मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि आधार कार्ड को जन्म तिथि के सत्यापन के लिए अन्य वैध दस्तावेजों को ही मान्य करें। सरकारी भर्तियों, पेंशन, छात्रवृत्ति, प्रमाणीकरण और अन्य कामों में अभी तक कई विभाग आधार कार्ड को उम्र साबित करने के लिए स्वीकार कर रहे थे, जो अब नियमों के खिलाफ माना जाएगा।

कानपुर - दिल्ली हाईवे पर बड़ा हादसा
रोडवेज बस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली उड़ाई, 20 घायल, छह अलीगढ़ रेफर

हाथरस। रात के सन्नाटे में रोडवेज बस की ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर से कई यात्री नींद में ही सीटों से नीचे गिर पड़े। बस की कई सीटें उखड़ गईं और अंदर सामान इधर-उधर बिखर गया। कुछ यात्रियों के सिर फट गए तो कुछ बेहोश हो गए।

हाथरस के सिकंदराराऊ अंतर्गत कानपुर-दिल्ली हाईवे पर बिलार गांव के पास 27 नवंबर रात हाईवे पर 1:30 बजे तेज रफ्तार से रोडवेज बस ने सीमेंट से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रैक्टर हवा में उछलकर सड़क किनारे पलट गया। बस के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में 20 यात्री घायल हुए, जबकि छह गंभीर घायलों को अलीगढ़ रेफर कर दिया गया।

रात के सन्नाटे में रोडवेज बस की ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर की धमक इतनी जोरदार थी कि कई यात्री नींद में ही सीटों से नीचे गिर पड़े। बस की कई सीटें उखड़ गईं और अंदर सामान इधर-उधर बिखर गया। कुछ यात्रियों के सिर फट गए तो कुछ बेहोश हो गए। सड़क पर केवल चीखें हीं सुनाई पड़ रहीं थीं।

ट्रैक्टर चालक शिवकुमार ने बताया कि रोडवेज बस तेज रफ्तार में उड़ती हुई आई और पीछे से टक्कर मार दी। उनका दावा है कि अगर ट्रॉली में सीमेंट न होता तो हादसा और भी बड़ा हो सकता था। सभी घायलों को तुरंत सीएचसी सिकंदरा राऊ भेजा गया, जहां 14 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। छह गंभीर यात्रियों को अलीगढ़ रेफर कर दिया गया।

ये लोग हुए घायल

घायलों में सर्वेश (25, हरदोई), राजन (20, फरुर्खाबाद), करन (18, फरुर्खाबाद), अभिषेक यादव (20, एटा), महेंद्र गुप्ता (26, हरदोई), वीरेंद्र (26, फरुर्खाबाद), ऋषभ(18, हरदोई), आशीष दीक्षित (31, हरदोई), रोहित (32, फिरोजाबाद), वीना यादव (30, फिरोजाबाद), दुष्यन्त (डेढ़ वर्ष, फिरोजाबाद), गोपाल (28, कन्नौज), रीता (35, फरुर्खाबाद), हरिओम (42, फरुर्खाबाद), संजय (18, फरुर्खाबाद), पल्लवी (11, फरुर्खाबाद), पूजा (32, एटा), पंकज (18, हरदोई), सर्वेश (25, शाहजहांपुर) और सुखबीर (18, शाहजहांपुर) शामिल हैं। इनमें से राजन, अभिषेक, दुष्यंत, पूजा, रीता और संजय को अलीगढ़ रेफर कर दिया गया।

अखाड़ों की रार पर विराम: सीएम धामी संग बैठक में 2027 कुंभ की तैयारियों पर सहमति

नई दिल्ली। अर्धकुंभ को कुंभ बनाने की कवायद में एक तरफ जहां मूलभूत सुविधाओं के विकास का खाका खींचा जा रहा है। वहीं, कुंभ में महत्वपूर्ण अखाड़ों के शाही स्नान की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को चर्चा हुई। खास बात यह है कि अखाड़ों में चल रही रार के बीच होने वाली बैठक में सरकार के मुखिया व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हुए।

अखाड़ों में चल रही रार के बीच होने वाली बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हुए। 2027 अर्द्धकुंभ मेले को लेकर भी चर्चा की गई। कुल 97 दिनों के भव्य कुंभ में चार प्रमुख शाही स्नान होंगे। 14 जनवरी को पहला शाही स्नान होगा और अप्रैल में कुंभ का समापन होगा। चर्चा के दौरान सभी बातों पर संतों ने सहमति जताकर अखाड़ों से उठी पूर्व की आपत्तियों पर विराम लग गया।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धर्मनगरी हरिद्वार पहुंचकर सभी तेरह अखाड़ों के साधु संतों का सम्मान किया। इस दौरान कुंभ हरिद्वार कार्यक्रम के लिए विशेष पंडाल बनाया गया। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप समेत कई विभागों के अधिकारी इस दौरान मौजूद रहे। सीएम ने अखाड़ों के प्रतिनिधियों व हितधारकों संग कुंभ की व्यवस्थाओं और सुविधाओं पर रायशुमारी की।

संतों ने कुंभ मेले के लिए सहयोग का किया वादा

इस दौरान सीएम धामी ने कहा कि आज सभी पूज्य संतों ने कुंभ मेले के लिए अपना पूरा आशीर्वाद और सहयोग देने का वादा किया, क्योंकि कुंभ मेला होता है, इसलिए हमारे पूज्य संत समाज का इसमें बड़ा रोल होता है। हमारे सभी अखाड़ों के सभी पूज्य संत आज यहां मौजूद थे।

सभी पार्टियों के प्रतिनिधि मौजूद थे, और यह पक्का करने के लिए कि 2027 में होने वाला यह मेला सच में दिव्य और शानदार हो, सभी जरूरी इंतजामों पर बात हो गई है। हमारे प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और प्रेरणा से यह एक शानदार मेला होगा। सभी सकारात्मक अनुभव के साथ जाए। तैयारियां चल रही हैं, और सभी के सुझावों से हम कुंभ को बेहतर बनाएंगे।

13 जनवरी को मकर संक्रांति से शुरू होगा कुंभ मेला

कुंभ मेला मकर संक्रांति, 13 जनवरी को शुरू होगा, और 20 अप्रैल तक चलेगा। हालांकि शुरूआती तारीखें घोषित हो चुकी हैं, लेकिन जैसे-जैसे सुझाव आएंगे, हम कार्यक्रम को आगे बढ़ाते रहेंगे। हमने पहले ही तैयारियां शुरू कर दी थीं। लेकिन आज, पूज्य संतों के आशीर्वाद से, हम आगे बढ़ रहे हैं।

डॉ. मुजम्मिल के दो नए ठिकाने सामने आए: खेतों के कमरे में 12 दिन रखा था अमोनियम नाइट्रेट

नई दिल्ली। अल फलाह यूनिवर्सिटी के पास ही खेतों में बने एक कमरे को भी डॉ. मुजम्मिल ने किराये पर लिया था। इसमें अमोनियम नाइट्रेट व अन्य विस्फोटक पदार्थ लगभग 12 दिनों तक छिपाकर रखा था। अल-फलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल के फरीदाबाद में दो अन्य ठिकानों का पता चला है। एनआईए की पूछताछ में डॉ. मुजम्मिल ने धौज व फतेहपुर तगा के दो ठिकानों के बाद यूनिवर्सिटी के पास बने एक कमरे और खोरी जमालपुर गांव में एक तीन बेडरूम वाला मकान किराये पर लेने का खुलासा किया है।

मकान खोरी जमालपुर गांव के पूर्व सरपंच का है और डॉ. मुजम्मिल ने इस मकान को कश्मीरी फलों का व्यापार करने का झांसा देकर किराये पर लिया था। पूछताछ में ये भी खुलासा हुआ है कि डॉ. मुजम्मिल इस मकान पर कई बार डॉ. शाहीन के साथ जाकर ठहरा भी था। सूत्रों की मानें तो अल फलाह यूनिवर्सिटी के पास ही खेतों में बने एक कमरे को भी डॉ. मुजम्मिल ने किराये पर लिया था। इसमें अमोनियम नाइट्रेट व अन्य विस्फोटक पदार्थ लगभग 12 दिनों तक छिपाकर रखा था। इसके बाद वो यहां से धौज व फतेहपुर तगा के किराये के कमरों पर अमोनियम नाइट्रेट व विस्फोटक ले गया था।

नेहरू ग्राउंड की दुकान पर जांच के लिए पहुंची एनआईए

दिल्ली में लालकिले के पास कार में बम धमाके की जांच कर रही एनआईए टीम बृहस्पतिवार शाम को एक बार फिर फरीदाबाद पहुंची। टीम ने एनआईटी नेहरू बाउंड स्थित केमिकल शहीद पर जाकर यहां के मालिक से लगभग 15 मिनट पूछताछ की। इस दौरान पकड़े जा चुके संदिग्ध आतंकियों की फोटो दिखाकर पूछा गया कि क्या इनमें से कोई कभी केमिकल खरीदने दुकान पर आया था। दुकानदार ने इनकार कर दिया तो टीम यहां से वापस चली गई।

जसीर सात दिन की रिमांड पर

पटियाला हाउस कोर्ट ने बृहस्पतिवार को लाल किला ब्लास्ट केस के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल बानी को सात दिनों के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कस्टडी में भेज दिया है। वानी को 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी ने बानी को कोर्ट में पेश किया, क्योंकि प्रधान सत्र और जिला न्यायाधीश जज अंजू बजाज चांदना ने 18 नवंबर को 10 दिन की कस्टडी दी थी, जो बृहस्पतिवार को खत्म होने वाली थी।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। शनिवार 29 नवम्बर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

2027 के सियासी रण में किस तरफ बहेगी सपा और बसपा की हवा

समीकरण के लेकर चुनावी पार्टनरशिप का क्या रहेगा इफैक्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। चुनाव 2027 में होना है और खिलाड़ियों ने अभी से बिसात बिछानी शुरू कर दी है। दावेदारी किस समीकरण पर होगी, दावेदारी के चेहरे कौन होंगे ये फाईनल राउंड में ही पता चलेगा लेकिन यहां पर एक बड़ा सवाल ये है कि चुनाव रण में सपा और बसपा की हवा क्या रहेगी।

मौजूदा समय में दोनों ही पार्टियां अंतर कलह से जूझ रही हैं। कहीं अध्यक्ष का विरोध है और कहीं निष्कासन है। कहीं प्रदेश के प्रभारी से लेकर जिलों के पदाधिकारी दल से बाहर निकाले जारहे हैं। मतदाता सूचि को जब एक नया रूप दिया जा रहा है तब यहां विपक्ष इस रण में दिखाई नहीं दे रहा। हालाकि दिखाई तो भाजपा के कार्यकर्ता भी उस अनुपात में नहीं दे रहे हैं।

केवल पार्षदों ने कमान संभाली हुई है। लेकिन सबसे बड़ी बात ये है कि यहां भाजपा के लगभग अभेद दुर्ग बन चुके गाजियाबाद को विपक्ष किस रणनीति से भेदेगा। चुनाव लड़ने के लिए वोट चाहिए होते हैं और वोटों का समीकरण क्या होगा। वोटर्स का रूझान क्या होगा, ये अगला साल तय करेगा। लेकिन सबसे बड़ी बात ये है कि विपक्ष के रूप में यहां सपा और बसपा की रणनीति क्या है। उसके पास चुनाव लड़ाने वाले नेता नहीं दिख रहे हैं।

बसपा में चुनाव लड़ने के लिए तो नेता भाजपा और सपा से भी आ जाते हैं लेकिन चुनाव लड़ाने के लिए हाथी इस बार नेता कहां से लायेगा ये देखने की बात है। समाज वादी पार्टी जमीनी स्तर पर कहां हैं, उसके नेता कहां है। लखनऊ वाली बैठक में कुछ भी रिपोर्ट दी जा सकती है लेकिन जब चुनाव की रणभेरी बजेगी तब कुछ भी नहीं छिपाया जा सकता है।

कैडर वोटों से लेकर बिरादरी का समीकरण हो चुका है फेल

करंट क्राइम। सपा और बसपा की बात करें तो यहां वो कभी मजबूत स्थिति में थे लेकिन अब उनका सियासी किला एक तरह से हिला पड़ा है। पहले सबको लगता था कि बसपा का टिकट कैडर वोट का सपोर्ट करेगा। समाजवादी पार्टी का टिकट एमवाई समीकरण को जोड़ेगा। लेकिन अब ये बात मिथक साबित हो चुकी है। नंदकिशोर पुण्डीर पिछला लोकसभा चुनाव बसपा के टिकट पर लड़े और ये उम्मीद थी कि ठाकुद नाराजगी, दलित कैडर और मुस्लिम वोटों के साथ वो यहां फाईट में दिखाई देंगे। लेकिन राजपुताना जंग का ये खिलाड़ी एक लाख वोट भी नहीं ले सका। कैडर फेल होगया, बिरादरी साथ नहीं आई और मुस्लिम वोटों का भी सहारा नहीं मिला। समाजवादी पार्टी की बात करें तो यहां सिकन्दर यादव की पत्नी पूनम यादव मेयर चुनाव लड़ी। सिकन्दर यादव सामाजिक चिंतक हैं और दलित विमर्श के नेताहैं ऐसे में ये उम्मीद थी कि यहां दलित वोट भी मिलेंगे, मुस्लिम वोट भी मिलेंगे दलित वोट भी मिलेंगे। लेकिन ये सारी उम्मीदें ना उम्मीद हो गयी और यहां समाजवादी पार्टी को निराशा हाथ लगी। ये वो तस्वीरें हैं जो अभी वर्तमान राजनीति की तस्वीरें कही जा सकती हैं। क्योंकि सियासी जंग की जमीन भी यही है, खिलाड़ी भी यही हैं और मतदाता भी यही हैं। लगभग लगभग मुद्दे भी वहीं हैं और ऐसे में सपा और बसपा के खेल पर अन्य दलों का दांव भी निर्भर करेगा। क्योंकि यहां वोट विभाजन भी एक कारक है और वोटों का विभाजन अगर इन दो दलों के बीच हो गया तो ये इन दलों के लिए मारक होगा और भाजपा के लिए फायदे का सौदा हो जायेगा।

नगर निगम ने किया इंदिरापुरम में वायु गुणवत्ता सुधार अभियान तेज

अवैध तंदूर हटाए गए, गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना

- दो लाख 20 हजार रुपये वसूले

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम ने वायु गुणवत्ता सुधार अभियान के तहत इंदिरापुरम व वसुंधरा जोन में सख़्त कार्रवाई करते हुए अवैध तंदूर, भट्ठियां और प्रदूषण फैलाने वाले उपकरणों को हटाया। साथ ही गंदगी फैलाने, प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग और अवैध अतिक्रमण करने वालों पर करीब 2.29 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया।

अभियान के दौरान तंदूर और अवैध संरचनाओं को जेसीबी से हटाया गया। मौके पर जोनल प्रभारी वसुंधरा एसके. राय, सेनेटरी एवं फूड इंस्पेक्टर अशोक समेत स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

कहां-कहां वसूला गया जुर्माना

- विजयनगर जोन : 1,45,000 रुपये का जुमार्ना
- कवि नगर जोन : 12,000 रुपये (प्लास्टिक मुक्त अभियान)
- मोहन नगर जोन : 19,000 रुपये
- सिटी जोन : 60,000 रुपये

अब तक वसूला जा चुका है सात लाख का जुर्माना

करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर नगर निगम शहरभर में वायु प्रदूषण रोकने हेतु महाअभियान चला रहा है। इंदिरापुरम के शक्ति खंड, अहिंसाखंड व अन्य क्षेत्रों में भी सख्त कार्रवाई की गई। नवंबर माह में वसुंधरा जोन में कुल 7 लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना वसूला गया। शहरवासियों और व्यापारियों से अपील की गई है कि वे नियमित पानी छिड़काव करें, गंदगी न फैलाएं और किसी भी प्रकार का अनावश्यक धुआं न करें। शहर के अन्य जोनों में भी कार्रवाई जारी है। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि वायु गुणवत्ता सुधार के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होती रहेगी।

मुझे अपने बारे में एक भ्रम है कि मैं अनुशासित व्यक्ति हूं : बालेश्वर त्यागी

कहा- उस दिन अपने पर शर्मिंदगी अनुभव हुई। हम जैसों के कारण ही विदेश के लोगों की राय भारत के बारे में ऐसी बनी है। उस समय मैं बेसिक शिक्षा का मंत्री था।

गाजियाबाद करंट क्राइम। मुझे अपने बारे में एक भ्रम है कि मैं अनुशासित व्यक्ति हूं। अधिकतर नियमों का पालन करने का प्रयास करता हूं। एकाध बार तो लाइन में लगकर टिकट लेने की आदत के कारण मेरी ट्रेन भी छुटी है। एक बार तो टिकट विंडो पर बैठे बाबू ने मुझसे पूछ लिया कि वो विधायक कहां हैं जिनकी कूपन बुक लेकर आए हो। जब मैने कहा कि क्या तुम्हे मेरी शक्ल विधायक जैसी नहीं लगती तो उसने कहा कि मैने तो आज तक किसी विधायक को लाइन में लगकर टिकट लेते नहीं देखा। तो मैने अपना आई कार्ड दिखाया। लेकिन एक घटना ऐसी भी जब मुझे अपने आप पर शर्मिंदगी हुई। उसे आपके साथ साझा करता हूं।

जब मैं अपनी सामान्य शिष्टाचार के नियमों के प्रति असंवेदनशीलता का स्मरण करता हूं और एक 13-14 साल के विदेशी बच्चे के नियमों के प्रति सजगता को देखता हूं और उसके प्रोटेस्ट के स्वभाव को देखता हूं तो अपनी अल्पज्ञता का अनुभव होता है।

काश हम भी सामान्य नियमों के प्रति उतने ही संवेदनशील हों। नियमों का पालन करने में अपने आप को छोटा न समझे।

वर्ष 2000 में हम एक पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के डेलिगेशन में विदेश गए थे। उस टूर में हमारा पहला पड़ाव हॉलैंड के एम्स्टर्डम में था। वहां हम एक होटल में रुके थे। होटल में हमारा कमरा 18वीं मंजिल पर था और कैंटीन भूतल पर थी। हम कैंटीन में नाश्ता करने के बाद अपने कमरे में जाने के लिए लिफ्ट के पास आए। हमसे पहले दो तीन लोग पहले से खड़े थे। हम भी खड़े हो गए। थोड़ी देर में जैसे ही लिफ्ट आई और उसका दरवाजा खुला हम भी उसमें घुस गए। जैसे ही हम लिफ्ट के दरवाजे की ओर घूमे तो मैने देखा कि एक 13-14 साल का लड़का गुस्से से हमें घूर रहा है। वह एकदम गोरा था, गुस्से से उसका रंग एकदम लाल हो गया था। वह जोर से चिल्लाया हियर इज ए क्यू। तब हमें ध्यान आया कि यह हमसे पहले खड़ा था। हम लापरवाही से लिफ्ट में घुस गए। हम उससे सोरी कह पाते लिफ्ट चल दी। लिफ्ट में एक ओर सज्जन थे। उन्होंने हमसे पूछा कि कहां के रहने वाले हो? हमने बताया कि भारत के रहने वाले हैं। तब उसने कुछ व्यंग के अंदाज में कहा कि फिर तो कोई बात नहीं है।

उस दिन अपने पर शर्मिंदगी अनुभव हुई। हम जैसों के कारण ही विदेश के लोगों की राय भारत के बारे में ऐसी बनी है। उस समय मैं बेसिक शिक्षा का मंत्री था। जब मैं अपनी सामान्य शिष्टाचार के नियमों के प्रति असंवेदनशीलता का स्मरण करता हूं और एक 13-14 साल के विदेशी बच्चे के नियमों के प्रति सजगता को देखता हूं और उसके प्रोटेस्ट के स्वभाव को देखता हूं तो अपनी अल्पज्ञता का अनुभव होता है। काश हम भी सामान्य नियमों के प्रति उतने ही संवेदनशील हों। नियमों का पालन करने में अपने आप को छोटा न समझे। वीआईपी समझकर अपने आपको नियमों से ऊपर समझकर व्यवहार करने से बचें तो शायद अच्छा हो।

हाउस टैक्स मामले में अब 3 दिसम्बर को होगी हाईकोर्ट में सुनवाई

जवाब दाखिल हो चुके और अब फाईनल बहस के बाद आना है फैसला

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हाउस टैक्स वृद्धि मामले में अब प्रयागराज हाईकोर्ट में तीन दिसम्बर को सुनवाई होगी। इस मामले में भाजपा के तीन पूर्व पार्षद याचिका कर्ता हैं और उन्होंने इस मामले में याचिका दाखिल की थी। भाजपा के पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी, हिमांशु मित्तल और अनिल स्वामी ने रिट दाखिल कर नगर निगम द्वारा बढ़ाये गये हाउस टैक्स को नियम विरोधी बताया था। अदालत ने पूर्व पार्षदों की याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार की थी। इस मामले में कई तारीखें लग चुकी हैं और अब अदालत ने तीन दिसम्बर की तारीख सुनवाई के लिए तय की है।

बताया जाता है कि हाउस टैक्स वृद्धि के इस केस में नगर निगम और पूर्व पार्षद दोनों ही पक्ष अपना अपना जवाब दाखिल कर चुके हैं। अब जवाब दाखिल होने के बाद केवल दोनों पक्षों के अधिवक्ता इस पर बहस करेंगे और ये इस केस की फाईनल बहस बताई जाती है और इसके बाद फैसला आ जायेगा। उम्मीद ये जताई जा रही है कि तीन दिसम्बर को भी फैसला आ सकता है और इस बात की भी सम्भावना है कि उस दिन फाईनल बहस हो जये और अदालत फैसला सुरक्षित रखते हुए अगली तारीख दे।

इस मामले में सूत्र बता रहे हैं कि रोचक मोड़ मिनट्स बुक का भी आ गया है। बताया जा रहा है कि निगम द्वारा हाईकोर्ट में 30 जून की बैठक वाली मिनट्स बुक दाखिल की गयी है। इस मिनट्स बुक में ये मेंशन किया गया है कि प्रशासनिक विरोध के बाद सदन में सर्वसम्मती से बढ़े टैक्स को निरस्त किया।

अब यहां शब्दों का क्या ताल मेल है और किस तरह से उन्हें अदालती भाषा में पिरोया गया है ये फैसला आने के बाद पता चलेगा। फिलहाल तो दोनों ही पक्ष अपने अपने फैसले पर अडिग हैं और उन्हें उम्मीद है कि अदालत का फैसला उनके पक्ष में आयेगा।

जब मस्जिद से हुआ ऐलान, जिन हजरात ने अभी तक नहीं भरे हैं एसआईआर के फार्म

वो करा दें अपने फार्म जमा और पहुंचे पहचान पत्र लेकर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सर्वे इंटेग्रेटेड रजिस्ट्रेशन यानी एसआईआर अभियान को लेकर जहां कई ईलाकों में इस बात की चिंता है कि लोग रूचि नहीं ले रहे हैं। बीएलओं को सहयोग नहीं कर रहे हैं। वहीं एक मस्जिद ऐसी भी जहां ये एलान हुआ कि जिन हजरात ने अभी तक एसआईआर का फार्म नहीं भरा है वो अपना फार्म भर दें और पहचान पत्र साथ लेकर आयें।

एसआईआर के इस अभियान में ये जागरूकता अभियान शहीदनगर के पूर्व पार्षद मो.कल्लन ने चलाया। इसके बाद मस्जिदों से एसआईआर की जानकारी दी गयी और नमाज के बाद लोगों को जागरूक किया गया। ये पहली बार देखने में आया जब मस्जिदों से ये एलान हुआ कि जिन हजरात ने अभी तक एसआईआर के फार्म जमा नहीं कराये हैं वो फार्म जमा कर दें। लोगों को बताया गया कि फार्म के साथ अपना पहचान पत्र साथ लेकर जायें जिससे कोई परेशानी ना हो। जागरूकता अभियान के दौरान मस्जिदों के इमामो ने भी सहयोग की अपील की ताकि अधिक से अधिक लोगों तक ये जानकारी पहुंच सके। उन्होंने कहा कि इस तरह का अभियान चलाने से लोगों को जानकारी मिलेगी और अधिक से अधिक लोग एसआईआर में भाग ले सकेंगे। शहीदनगर के निवासियों ने इसका स्वागत किया और कहा कि इस प्रकार की जानकारी जब मस्जिदों से भी मिलेगी तो लोगों में जागरूकता होगी और वह मतदाता सूचि से अपडेट रहेंगे। मस्जिदों से लाउड स्पीकर वाले इस एलान के बाद लोग भी जागरूक हुए हैं।

मुस्लिम इलाकों में था एसआईआर को लेकर भ्रम : मौ. कल्लन

करंट क्राइम। पूर्व पार्षद मौ. कल्लन ने सबसे पहले मस्जिदों से एसआईआर अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए एलान किया। इसके बाद अलग अलग मस्जिदों के इमाम भी आगे आये। मस्जिदों से एलान के सवाल पर पूर्व पार्षद मौ. कल्लन ने बताया कि एसआईआर को लेकर कुछ क्षेत्रों में भ्रम की स्थिति थी। और वो एसआईआर को एनआरसी यानी नेश्नल रजिस्टर ऑफ सिटिजनस के रूप में समझ रहे थे। हमने लोगों को ये समझाया कि ये एक अलग प्रशासनिक प्रक्रिया है। जिसका उद्देश्य मतदाता सूचि का सत्यापन और अपडेट करना है। उन्होंने कहा कि हमने लोगों को ये भी बताया कि एसआईआर प्रक्रिया में भाग लेना ना केवल उनका अधिकार है बल्कि ये लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का भी एक कदम है।

रविवार को पुलिस कमिश्नरेट में होगी क्राइम कंट्रोल प्लानिंग की अहम बैठक

तीनों डीसीपी, एसीपी और एसएचओ देंगे अपनी प्लॉनिंग रिपोर्ट

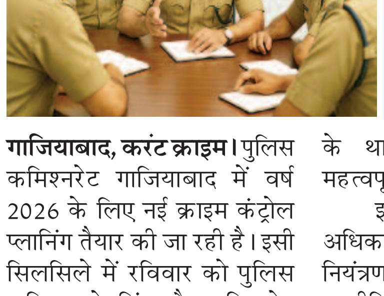

अपराध नियंत्रण पर रहेगा फोकस

करंट क्राइम : इसी के साथ सर्दियों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए गशत अभियान को भी नए स्वरूप में लागू किया जा रहा है। अभियान के तहत अब सिर्फ फोटो सेशन नहीं, बल्कि अधिकारियों की स्वयं फील्ड में मौजूदगी अनिवार्य होगी। एसीपी और थाना प्रभारियों को हॉटस्पॉट स्थानों पर पैदल पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा अतिरिक्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय और डीजीपी मुख्यालय से इस अभियान की सीधी मॉनिटरिंग होगी और दिसंबर के प्रथम सप्ताह से इसके प्रभावी लागू होने की उम्मीद है। रविवार को होने वाली इस मीटिंग में पुलिस कमिश्नर तीनों डीसीपी, सभी एसीपी और प्रमुख थानों के थाना प्रभारियों की प्रस्तुति सुनकर वर्ष 2026 के लिए अंतिम क्राइम कंट्रोल प्लान को फाइनल रूप देंगे। बैठक में एडिशनल सीपी स्तर के अधिकारियों की मौजूदगी भी संभव है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में वर्ष 2026 के लिए नई क्राइम कंट्रोल प्लानिंग तैयार की जा रही है। इसी सिलसिले में रविवार को पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड कमिश्नरेट के डीसीपी, एसीपी और प्रमुख थानों के थाना प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे।

इस बैठक में हर जोन के अधिकारी अपने क्षेत्र की अपराध नियंत्रण रिपोर्ट और आने वाली रणनीति प्रस्तुत करेंगे। सूत्रों के अनुसार तीनों जोन—सिटी, देहात और ट्रांस-हिंदन—के डीसीपी अपनी जोन-वाइज क्राइम स्थिति का विस्तृत विवरण पेश करेंगे। इसमें अपराध के हॉटस्पॉट, बीते छह महीनों की घटनाओं का विश्लेषण, मुठभेड़ों और कार्रवाई का डेटा और आने वाले वर्ष की रणनीति शामिल होगी।

एसीपी और थाना प्रभारी भी अपने क्षेत्रों का क्राइम डेटा, हॉटस्पॉट मैप तथा आगामी योजना के प्रेजेंटेशन के साथ मीटिंग में उपस्थित होंगे। कई थानों ने इसके लिए पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन और अपराध-विश्लेषण रिपोर्ट तैयार कर ली है।

डीसीपी सिटी ने जोन में 10 शातिर अपराधियों पर लगाया गुंडा एक्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत 10 शातिर अपराधियों के खिलाफ गुंडा एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। पुलिस आयुक्त जे रविंदर गौड और डीसीपी नगर धवल जयसवाल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई।

लगातार चल रहे अभियान का उद्देश्य संगठित अपराध पर अंकुश लगाना और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना है। पुलिस के अनुसार, विभिन्न थानों के 10 अपराधियों का आपराधिक इतिहास जांचने के बाद उनके खिलाफ गुंडा एक्ट में कार्रवाई की गई। ये सभी अभियुक्त चोरी, लूट, मारपीट तथा अन्य अपराधों में संलिप्त पाए गए थे। उधर डीसीपी सिटी जोन का कहना है कि अपराधियों पर निगरानी बढ़ाकर कानून व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

इन अभियुक्तों पर की गई है कार्रवाई

करंट क्राइम : अपराध नियंत्रण अभियान के तहत जिन अभियुक्तों के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है उनमें कासिम उर्फ शाहरूख विजयनगर, अमित शर्मा क्रॉसिंग रिपब्लिक, नितिन नंदग्राम, पियूष नंदग्राम, बॉबी नंदग्राम, चिराग नंदग्राम, करन नंदग्राम, सुहैल वेवसिटी, तालिब वेवसिटी, प्रवीण उर्फ रविंद्र वेवसिटी हैं।

संपादकीय

संविधान की मूल भावना

ये भारत के संविधान की प्रस्तावना के आरंभिक शब्द हैं। संविधान और लोकतंत्र देश के नागरिकों को ही संबोधित है। संविधान सभा की बैठकों में संविधान के प्रावधानों अनुच्छेदों पर व्यापक विमर्श किया गया। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को हुई थी। भारत को स्वतंत्रता मिलना तय हो चुका था। राष्ट्रीय सरकार का गठन किया जा चुका था, लेकिन विधिवत रूप से भारत का संप्रभु और स्वतंत्र राष्ट्र बनना तब शेष था। उस दौर में हमारे पुरखों ने संविधान पर विमर्श किया। देश की आजादी के बाद भी संविधान सभा की बैठकें जारी रहीं और अंतिम सदस्य-संख्या 299 थी। राष्ट्रपति बनने से पहले डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष थे। सच्चिदानंद सिन्हा उनसे पहले सभा के अस्थायी अध्यक्ष थे। अंततः 26 नवंबर, 1949 को संविधान को स्वीकृति दी गई और उसे ग्रहण किया गया। हालांकि संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया, लिहाजा उस दिन देश ह्यगणतंत्र दिवसह्ण मनाता है। कांग्रेस ने देश पर 55 साल से अधिक समय तक शासन किया, लेकिन कभी ह्यसंविधान दिवसह्ण नहीं मनाया। यह शुरूआत प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में कराई और उसके बाद देश 26 नवंबर को नियमित तौर से ह्यसंविधान दिवसह्ण मनाता आ रहा है। बीती 26 नवंबर को पुराने संसद भवन के ह्यसेंट्रल हॉलह्ण (अब संविधान सदन) में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान की प्रस्तावना ह्यहम भारत के लोगह्ण का पाठ किया। उसी के साथ उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष समेत सभी सांसदों ने यह पाठ दोहरा कर प्रतिज्ञा ली, शपथ ली कि वे संविधान के प्रति प्रतिबद्ध और जवाबदेह रहेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय संविधान देश की पहचान का मूल आधार है। यह औपनिवेशिक सोच को छोड़ कर राष्ट्रवादी दृष्टिकोण अपनाने का मार्गदर्शक दस्तावेज है। यकीनन हमारा संविधान देश के औसत नागरिक से लेकर न्यायपालिका, संसद, सरकार तक सभी अंगों का प्राण है। उनकी दिशा और न्याय है। देश की व्यवस्था संविधान से ही संचालित है। देश की संवैधानिक संस्थाएं भी संविधान की परिधि में हैं। संविधान में आम नागरिक के मौलिक अधिकार दिए गए हैं, जो बुनियादी और जीवंत लोकतंत्र के प्रतीक हैं। कांग्रेस और प्रमुख विपक्षी दल संविधान को खंडित करने या उसके स्थान पर ह्यमनु स्मृतिह्ण के प्रावधानों को लागू करने के आरोप लगाते रहे हैं। यह राजनीतिक और चुनावी नेरेटिव हो सकता है, जबकि यथार्थ यह है कि मनु स्मृति कोई दस्तावेजी और स्वीकृत संकलन ही नहीं है। वह संविधान का विकल्प कैसे बनाया जा सकता है? भाजपा-आरएसएस को इतना असंवैधानिक और निरंकुश कौन होने देगा? संविधान पर घातक प्रहार, आघात तब किया गया था, जब 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी। निश्चित तौर पर वह कालिमा का दौर था। बिना अपराध के नेताओं, पत्रकारों, कलाकारों, कवियों, समाजसेवियों आदि को जेलों में ठूंस दिया गया था। बहरहाल हम आज उस दौर को भी भूल जाना चाहते हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

- दूध नॉर्थ डकोटा का आधिकारिक राज्य पेय है!
- जो देश दूध पीते हैं, वह स्मार्ट हैं और नोबेल पुरस्कार जीतने में ज्यादा सक्षम हैं!
- दूध प्रोटीन का प्रयोग लेटेक्स के निर्माण में किया जाता है, जिसका अर्थ है कि ज्यादातर कंडोम में दूध प्रोटीन होता है।
- कनाडा में, गाय को कृत्रिम हार्मोन से दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए देने के लिए अवैध है।
- दुनिया में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला पासवर्ड 123456 है।
- एक रिपोर्ट के अनुसार, होशियार लोग ज्यादातर अपने आप से बातें करते हैं।
- जुराब यानि मोजे पहन कर सोने वाले लोग रात में बहुत कम बार जागते हैं या बिलकुल नहीं जागते हैं।
- कोई भी अपने आप को सांस रोक कर नहीं मार सकता है।
- जरुरत से ज्यादा टेंशन आपके दिमाग को कुछ समय के लिए बंद कर सकती है।
- चीनी को जब चोट पर लगाया जाता है, तो दर्द तुरंत कम हो जाता है।
- शीर्ष दूध पीने वाला देश फिनलैंड में लगभग 95 गैलन दूध / व्यक्ति / वर्ष है। शीर्ष 5 देश दूध पीने के मामले में सबसे ऊपर हैं, फिनलैंड (361.1 9 किलो), स्वीडन (355.86 किलो), नीदरलैंड (320.15 किलो), स्विट्जरलैंड (315 किलो) और ग्रीस (314.6 9 किलो) हैं।

हफ्ते के आखिरी दिन शेयर बाजार सुस्त: सेंसेक्स 13 अंक और निफ्टी 12 अंक फिसले, निवेशक मैक्रो डेटा से पहले सतर्क

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 13.71 अंक गिरकर 85,706.67 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 12.60 अंक गिरकर 26,202.95 अंक पर आ गया। शेयर बाजार में शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बीच सेंसेक्स और निफ्टी सपाट बंद हुए। पूरे दिन अस्थिर रुख रहने के बावजूद निवेशकों ने बड़े दांव लगाने से परहेज किया। इसकी वजह यह रही कि बाजार बंद होने के बाद जारी होने वाले अहम मैक्रोइकोनॉमिक आंकड़ों का सभी को इंतजार था। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 13.71 अंक या 0.02 प्रतिशत गिरकर 85,706.67 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 392.07 अंक के उतार-चढ़ाव के साथ 85,969.89 के उच्च स्तर और 85,577.82 के निम्न स्तर तक गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 12.60 अंक या 0.05 प्रतिशत गिरकर 26,202.95 अंक पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे गिरकर 89.43 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

गुरुवार को प्रमुख सूचकांक इंट्रा-डे कारोबार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए थे, लेकिन सत्र के दूसरे भाग में निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के कारण लगभग स्थिर रहे। विश्लेषकों ने कहा कि ताजा विदेशी पूंजी निकासी और वैश्विक बाजार के सुस्त रुख के कारण शेयर बाजार सीमित दायरे में रहा।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार ज्यादातर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को थैंक्सगिविंग की छुट्टी के कारण अमेरिकी बाजार बंद थे।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 63.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.25 प्रतिशत बढ़कर 63.50 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 1,255.20 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,940.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ, सेंसेक्स 110.87 अंक या 0.13 प्रतिशत चढ़कर 85,720.38 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 86,055.86 का रिकॉर्ड उच्च स्तर छुआ। निफ्टी 10.25 अंक या 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 26,215.55 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, बेंचमार्क ने 26,310.45 का सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ।

आंध्र प्रदेश को बड़ी सौगात: 1328 करोड़ के निवेश से 15 नए बैंक-बीमा कार्यालयों की नींव, मिलेगी 6541 नई नौकरियों की रफ्तार

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश को मिली बड़ी सौगात, 1328 करोड़ के निवेश के साथ 15 नए बैंक-बीमा कार्यालयों की रखी गई नींव केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने संयुक्त रूप से राज्य में 15 नए बैंक और बीमा कंपनी कार्यालयों के निर्माण की आधारशिला रखी। राज्य सरकार के अनुसार, इस परियोजना के जरिए कुल 1,328 करोड़ रुपये का निवेश होगा और क्षेत्र में 6,541 नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

केंद्र और राज्य के बीच समन्वय से आंध्र प्रदेश में बड़े पैमाने पर वित्तीय ढांचा तैयार होने जा रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को 15 नए बैंक और बीमा कंपनी कार्यालयों के निर्माण की आधारशिला रखी।

6541 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद

राज्य सरकार के अनुसार, इस परियोजना के जरिए कुल 1,328 करोड़ रुपये का निवेश होगा और क्षेत्र में 6,541 नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

जिन संस्थानों के नए कार्यालयों की आधारशिला रखी गई है, उनमें भारतीय स्टेट बैंक (स्इक), भारतीय जीवन बीमा निगम (छक्ठ), नाबार्ड समेत कई प्रमुख बैंक और बीमा कंपनियां शामिल हैं।

भारत की जीडीपी दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी

पिछली छह तिमाहियों में सबसे मजबूत रहे आंकड़े

नई दिल्ली। भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की। यह छह तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जीएसटी दर में कटौती से उपभोग बढ़ने की उम्मीद में कारखानों ने अधिक उत्पाद तैयार किए।

राजकोषीय घाटा 8.25 लाख करोड़ रुपये हुआ

वहीं, अप्रैल से अक्तूबर के बीच यानी इस वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों में भारत का राजकोषीय घाटा 8.25 लाख करोड़ रुपये रहा। यह वार्षिक अनुमानों का 52.6% है। इस बार राजकोषीय घाटा पिछले वर्ष के 46.5% से अधिक है। सरकार का लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.4% तक कम करना है, यह एक साल पहले 4.8% था।

1 दिसंबर को जारी होंगे औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े

सरकार की ओर से यह भी बताया गया है कि भारत का अक्तूबर 2025 का औद्योगिक उत्पादन आंकड़ा एक दिसंबर को जारी होगा। अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आंकड़े आमतौर पर हर महीने की 28 तारीख को या यदि 28 तारीख को अवकाश हो तो अगले कार्यदिवस को जारी किए जाते हैं। सरकार ने एक आधिकारिक बयान में कहा, अक्तूबर 2025 के लिए आईआईपी 28 नवंबर 2025 को जारी किया जाना था। चूंकि 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए सकल घरेलू उत्पाद के त्रैमासिक अनुमानों का प्रकाशन आईआईपी रिलीज के साथ होना है, इसलिए अक्तूबर 2025 के लिए आईआईपी के प्रकाशन की तारीख बदली गई है। अब ये आंकड़ा 1 दिसंबर 2025 को शाम 4:00 बजे जारी किया जाएगा।

भारत 50 देशों संग FTA वार्ता में, व्यापार हो रहा हथियार: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ सहित करीब 50 देशों और समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। हम सभी व्यापार को हथियार बनते देख रहे है। भारत इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ सहित करीब 50 देशों और समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (ऋळअ) पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। फिक्की की वार्षिक आम बैठक में वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी। गोयल ने कहा कि भारत इन समझौतों के जरिए से अपने विश्वसनीय व्यापारिक समझेदारों के साथ काम कर रहा है।

व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है उन्होंने कहा कि हम सभी व्यापार को हथियार बनते देख रहे है। हम सभी ने दुनिया भर में विश्वसनीय साझेदारों के महत्व को देखा है। इस समय भारत अलग-अलग देशों और राष्ट्रों के समूहों के साथ बातचीत कर रहा है।

इन देशों के साथ वार्ता जारी

भारत ओमान के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है और साथ ही बहरीन और कतर भी इस समझौते पर बातचीत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जीसीसी (खाड़ी सहयोग परिषद) भी अब बातचीत कर रही है। गोयल ने बताया कि छह देशों का पूरा समूह इसमें शामिल होना चाहेगा। हम न्यूजीलैंड से बात कर रहे हैं। हम अमेरिका और 27 देशों के यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की अदालत से अदाणी को बड़ी राहत

एक्टिविस्ट पर कारमाइकल खदान की गोपनीय जानकारी हासिल करने पर स्थायी रोक

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की अदालत से अदाणी समूह के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। क्वींसलैंड सुप्रीम कोर्ट ने एक जीवाश्म ईंधन विरोधी एक्टिविस्ट को अदाणी की कारमाइकल कोयला खदानों से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करने और उसका उपयोग करने से स्थायी रूप से रोक दिया है। इस फैसले के साथ अदाणी समूह और उसके लंबे समय से विरोधी के बीच चला आ रहा कानूनी संघर्ष अब समाप्त हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया में क्वींसलैंड सुप्रीम कोर्ट से अदाणी समूह की एक कंपनी को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने एक जीवाश्म ईंधन विरोधी एक्टिविस्ट को अदाणी की कारमाइकल कोयला खदानों से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करने और उसका उपयोग करने से रोकने के लिए स्थायी आदेश जारी किया है। इस तरह अदाणी समूह और उसके लंबे समय से एक विरोधी के बीच कई वर्षों से चल रहा कानूनी विवाद समाप्त हो गया है। अदाणी समूह से जुड़ी कंपनी ब्रावस माइनिंग एंड रिसोर्सेज की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, बेन पेनिंग्स को ब्रावस के कर्मचारियों, ठेकेदारों या भावी ठेकेदारों से गोपनीय व्यावसायिक जानकारी प्राप्त करने के सभी प्रयासों को रोकना होगा। इसके साथ ही उन्हें दूसरों को ऐसी जानकारी का खुलासा करने के लिए प्रोत्साहित करने से भी रोक दिया गया है।

ब्रावस ने गैलिली ब्लॉकेड समूह के राष्ट्रीय प्रवक्ता पेनिंग्स के खिलाफ एक दीवानी मुकदमा दायर किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने कारमाइकल कोयला खदान, उसके आपूर्तिकताओं और ठेकेदारों के संचालन को बाधित करने की कोशिश की थी। इसके मुख्य परिचालन अधिकारी मिक क्रो ने अदालत के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि कंपनी का उद्देश्य हमेशा से उत्पीड़न और धमकी भरे आचरण को रोकना रहा है।

अदाणी समूह ने हजार्ना नहीं लेने पर सहमति जताई

हालांकि, अदाणी समूह का हिस्सा ब्रावस ने भी कानूनी हजार्ना नहीं वसूलने पर सहमति जताई है। यह कंपनी गैलिली बेसिन में कारमाइकल कोयला खदान का संचालन करती है। यह निर्यात बाजार के लिए हर साल लगभग 1 करोड़ टन कोयला उत्पादित करती है। स्थायी आदेश पेनिंग्स को गोपनीय जानकारी का खुलासा करने की मांग करने या उसे बढ़ावा देने से रोकते हैं, इसमें अंदरूनी जानकारी लीक करने के मकसद से की गई प्रत्यक्ष कार्रवाई भी शामिल हैं। ये आदेश उनके वैध विरोध या वकालत में शामिल होने की क्षमता पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाते हैं।

दावा- अदाणी समूह की कंपनी को विरोध के कारण उठाना पड़ा नुकसान

अदालत में पेश साक्ष्यों के अनुसार, पेनिंग्स के अभियान- जिसमें नाकेबंदी, कार्यालय में घुसपैठ और आपूर्तिकताओं पर लक्षित दबाव शामिल थे- के कारण कई प्रमुख व्यवसायों ने ब्रावस के साथ संबंध तोड़ लिए। अन्य को अतिरिक्त सुरक्षा में निवेश करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पेनिंग्स को इससे पहले पिंकेंबा में कारमाइकल खदान और रेल परियोजना के काम में बाधा डालने के लिए किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। बयान में कहा गया है, श्यह समझौता तब हुआ है जब पेनिंग्स सर्वोच्च न्यायालय से मुकदमे से पहले साक्ष्य प्रस्तुत करने से छूट पाने में असफल रहे, इसके बाद उन्हें डर था कि वे खुद दोषी साबित हो जाएंगे।

राशिफल

मेष: यात्रा में जल्दबाजी न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। अज्ञात भय रहेगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक हैं।

वृष: प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी के बारे में चिंता रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी।

मिथुन: किसी प्रकार से शारीरिक कष्ट की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन होगा

र्कक: रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या का हल मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होने की संभावना हैं

सिंह: कोई बड़ा खर्च सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती ह।

कन्या: कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट की आशंका है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों व रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगें।

तुला: आर्थिक उन्नति के लिए नई योजना बनेगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। काफी समय से अटके काम पूरे होंगे।

वृश्चिक: किसी तरह की अनहोनी की आशंका रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। बुरे व्यक्तियों की पहचान आवश्यक है, दूर रहें। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

धनु: किसी अपने से विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर: जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता हैं।

कुंभ: किसी तरह से अपमान हो सकता है। विवेक का प्रयोग करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी

मीन: भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग अध्ययन आदि के कार्य में सफलता प्राप्त करेगा। रचनात्मक कार्यों में रुचि जागृत होगी। छोटी-मोटी यात्रा हो सकती ह।

चुटकुले

पत्नी- देखो मौसम कितना हसीन है
तुम्हारा क्या प्लान है?
पति- मेरा तो वही है 178 में 1 जीबी का 28 दिन के लिए
पत्नी- घुस जाओ तुम मोबाइल में पहले...

एक महिला सुबह-सुबह बिस्तर से सीधे उठकर मेकअप कर रही थी
तभी पति की भी आंख खुल गई
पति- पगला गई हो क्या? सुबह-सुबह मेकअप...
पत्नी- चुपचाप लेटे रहो, मुझे अपना फोन खोलना है, फेस लॉक लगा दिया था, और अब वह मुझे पहचान नहीं रहा है...!

डॉक्टर मरीज से- अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे?
मरीज- साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं कब्र खोदता हूं...
आपकी फ्री में खोद दूंगा.

दोस्त: भाई, तेरी गर्लफ्रेंड क्यों नाराज है?
गोलू: मैंने उसकी तारीफ की थी!
दोस्त: फिर?
गोलू: वो बोली झ्र यह मेरी बचपन की फोटो है!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार) 8630290003 (विष्णु गुप्ता)

29 11 2025 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं — आज के जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

बेकहम ने मुंबई में नन्हे गोलकीपर को इस तरह छकाया

मुंबई। इस प्यारे पल को देख फैन्स कमेंट्स में उन्हें जेंटलमैन और दिल जीतने वाला खिलाड़ी कह रहे हैं। भारत में बेकहम की यह यात्रा लगातार चर्चा में बनी हुई है और उनके हर पोस्ट पर भारी प्रतिक्रिया मिल रही है।

मुंबई दौरे पर आए फुटबॉल सुपरस्टार डेविड बेकहम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक नन्हे गोलकीपर के साथ मजेदार फुटबॉल मुकाबला करते नजर आते हैं। वीडियो में बेकहम एक मैदान में कुछ बच्चों के साथ खेलते हुए दिखे। बेकहम अकेले सभी बच्चों को चकमा देते हुए और अपनी शानदार ड्रिब्लिंग स्किल से चौंकाते हैं। आखिर में वह शानदार गोल दागते हैं।

इसके बाद वह मुस्कुराते हुए बच्चों से हाई फाइव करते दिखते हैं। फिर वह हाथ जोड़कर नन्हे गोलकीपर से मजाकिया अंदाज में माफी मांगते हैं और फिर उससे हाई फाइव करते हैं।

इस प्यारे पल को देख फैन्स कमेंट्स में उन्हें जेंटलमैन और दिल जीतने वाला खिलाड़ी कह रहे हैं। भारत में बेकहम की यह यात्रा लगातार चर्चा में बनी हुई है और उनके हर पोस्ट पर भारी प्रतिक्रिया मिल रही है।

फुटबॉल के दिग्गज डेविड बेकहम इन दिनों यूनिसेफ के कार्यक्रम के तहत भारत दौरे पर हैं और यह यात्रा उनके लिए यादगार पलों से भरी हुई है।

चमीरा के चार विकेट से श्रीलंका ने पाकिस्तान को हराया

त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में बनाई जगह

श्रीलंका ने रावलपिंडी में खेले गए करो या मरो मुकाबले में पाकिस्तान को 6 रन से हराकर त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में जगह बना ली। तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा ने 20 रन देकर चार विकेट झटके और आखिरी ओवर में शानदार तरीके से लक्ष्य का बचाव किया।

रावलपिंडी। तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा (20 रन पर चार) ने लक्ष्य का बचाव करते हुए आखिरी ओवर में सिर्फ तीन रन खर्च किये जिससे श्रीलंका ने त्रिकोणीय सीरीज के अपने करो या मरो मैच में पाकिस्तान को छह रन से हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया।

पाकिस्तान पहले ही फाइनल में पहुंच चुका था और जिम्बाब्वे की जगह खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए श्रीलंका को बृहस्पतिवार को यहां खेले गये मैच में जीत की जरूरत थी। टीम ने सलामी बल्लेबाज कामिल मिसरा की 48 गेंदों में 76 रनों की पारी की बदौलत पांच विकेट पर 184 रन बनाने के बाद पाकिस्तान को सात विकेट पर 178 रन पर रोक दिया।

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा के करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 63 रनों की पारी खेली लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। चमीरा ने पावरप्ले में अपने शुरूआती दो ओवर में तीन रन पर तीन विकेट लेकर पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया और फिर आखिरी ओवर में क्रीज पर आगा की मौजूदगी के बावजूद 10 रन का शानदार तरीके से बचाव किया। उन्होंने चौथे ओवर में साहिबजादा फरहान (नौ) को धीमी गेंद पर गच्चा देने के बाद बाबर आजम (शून्य) को खाता खोले बगैर पगबाधा किया।

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज साइम अयूब (27) एक बार फिर 18 गेंदों पर अपनी आक्रामक शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे और ईशान मलिंगा की गेंद पर बोल्ड होकर पवेलियन लौटे। चमीरा ने छठे ओवर में फखर जमां को कप्तान दासुन शनाका के हाथों कैच कराया जिससे पावर प्ले में पाकिस्तान का स्कोर चार विकेट पर 43 रन हो गया। आगा और उस्मान खान (33) ने 56 रन की साझेदारी के साथ मैच में पाकिस्तान की वापसी कराई। पांचवें विकेट की 56 रन की इस साझेदारी को वानिंदु हसरंगा ने उस्मान को आउट कर तोड़ा। आगा और मोहम्मद नवाज ने इसके बाद 36 गेंद में 70 रन की आक्रामक साझेदारी से पाकिस्तान को लक्ष्य के करीब पहुंचाया लेकिन मलिंगा ने 19वें ओवर में नवाज को चलता कर दिया। मिसरा और कुशल मेंडिस (40) ने इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर तीसरे ओवर में पथुम निशंका (आठ) के आउट होने के बावजूद छह ओवर में श्रीलंका का स्कोर एक विकेट पर 58 रन तक पहुंचा दिया। मेंडिस ने अबरार अहमद की गेंद पर पगबाधा होने से पहले अपनी पारी में छह चौके और एक छक्का लगाया। मिसरा 17वें ओवर में अबरार का दूसरा शिकार बने। जनिथ लियानागे (नाबाद 24) और कप्तान शनाका (नाबाद 17) ने अंतिम दो ओवरों में 24 रन बटोर कर श्रीलंका को 184 के स्कोर तक पहुंचाया।

गलत चयन, गलत रणनीति और कागजी ऑलराउंडरों ने डुबोया टेस्ट क्रिकेट : मनोज तिवारी

नई दिल्ली। तिवारी ने स्पष्ट कहा, 'अगर भारतीय टेस्ट क्रिकेट बचाना है तो गंभीर को हटाकर अलग रेड-बॉल कोच लाना पड़ेगा।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि गंभीर के पास ग्राउंड लेवल रेड-बॉल कोचिंग का अनुभव नहीं है, इसलिए उनसे निरंतर नतीजे की अपेक्षा करना अव्यवहारिक है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-2 की हार सिर्फ एक नतीजा नहीं, बल्कि भारतीय टीम मैनेजमेंट और कोचिंग फिलॉसफी पर बड़ा प्रश्नचिह्न बनकर सामने आई है। मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीतियों की तीखी आलोचना हो रही है। इसी बीच पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने बीसीसीआई से कहा है कि भारतीय टीम मैनेजमेंट में अब बदलाव का समय आ चुका है। तिवारी ने कहा कि गंभीर के नेतृत्व में टीम लगातार गलत चयन, अस्थिर रणनीति और अजीब प्रयोगों की शिकार रही है। उनकी नजर

में यह परिणाम पहले से दिखाई दे रहा था।

'ये नतीजा तय था', तिवारी का तीखा हमला: तिवारी ने दावा किया कि खिलाड़ियों को लगातार बदलने और भूमिका स्पष्ट न करने की वजह से टीम का संतुलन बिगड़ गया। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा, 'टीम का प्रोसेस गलत था।

यह पहली बार नहीं, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी, न्यूजीलैंड सीरीज और अब दक्षिण अफ्रीका, हर जगह यही पैटर्न दिखा।' उनका कहना है कि गंभीर टेस्ट फॉर्मेट को सफेद गेंद की सोच से चला रहे हैं।

अनुभवहीन कोच? अलग कोच की मांग तेज: तिवारी ने स्पष्ट कहा, 'अगर भारतीय टेस्ट क्रिकेट बचाना है तो गंभीर को हटाकर अलग रेड-बॉल कोच लाना पड़ेगा।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि गंभीर के पास ग्राउंड लेवल रेड-बॉल कोचिंग का अनुभव नहीं है, इसलिए उनसे निरंतर नतीजे की अपेक्षा करना अव्यवहारिक है।

गंभीर का बचाव और तिवारी की प्रतिक्रिया

हार के बाद गंभीर ने खुद को बचाते हुए कहा था कि उन्होंने टीम को चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और इंग्लैंड टेस्ट ड्रॉ दिलाया, लेकिन तिवारी ने इस बयान को चुनौती दी। तिवारी ने कहा, 'मैंने गंभीर एक वीडियो देखा जिसमें वह दावा कर रहे थे कि भारत उनकी देखरेख में चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीता।

मैं बता दूं कि उस टीम को रोहित शर्मा, राहुल द्रविड़ और उससे पहले विराट कोहली ने बनाया था। अगर गंभीर इन दोनों टूनार्मेंटों के लिए टीम इंडिया के कोच नहीं भी होते, तो भी भारत जीत जाता क्योंकि टीम पहले से ही बनी हुई थी। अगर आपके पास जमीनी स्तर का अनुभव नहीं है, तो आप शीर्ष स्तर पर परिणाम देने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? यह लगभग असंभव है।'

रांची में धोनी के घर पहुंचे कोहली और पंत, थाला ने खुद किंग को होटल पहुंचाया

इंटरनेट पर लगी आगः भावनाएं उमड़ीं

डिनर के बाद धोनी और कोहली को कार में साथ जाते हुए देखा गया। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि धोनी खुद कोहली को टीम होटल छोड़ने गए, हालांकि इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। फिर भी वीडियो में कोहली की मुस्कान और धोनी की सादगी देखकर फैन्स में पुरानी यादें ताजा हो गईं। उस दौर की यादें ताजा हो गईं, जब दोनों मिलकर भारतीय क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय लिख रहे थे। स्टार स्पोर्ट्स ने भी वीडियो शेयर करते हुए लिखा– रीयूनियन ऑफ द ईयर। इसके अलावा पंत और ऋतुराज भी डिनर के लिए धोनी के घर के अंदर जाते दिखे।

रांची। डिनर के बाद धोनी और कोहली को कार में साथ जाते हुए देखा गया। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि धोनी खुद कोहली को टीम होटल छोड़ने गए। कोहली की मुस्कान और धोनी की सादगी देखकर फैन्स में पुरानी यादें ताजा हो गईं।

रांची में गुरुवार देर रात भारतीय क्रिकेट फैन्स के लिए एक दिल छू लेने वाला पल देखने को मिला। एक वायरल वीडियो में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपने पुराने साथी और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को अपनी कार में ड्राइव करते हुए नजर आए। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर आया, यह मिनटों में वायरल हो गया और फैन्स ने इसे 'री-यूनियन ऑफ द ईयर' कहना शुरू कर दिया।

अक्सर जब टीम इंडिया रांची में मैच खेलने आती है, तब क्रिकेटर धोनी के घर पहुंचते हैं, और यह परंपरा इस बार भी जिंदा रहा। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने रांची पहुंची है, और यह मुलाकात उसी दौरान हुई। विराट के अलावा कई और खिलाड़ी भी धोनी से मिलने उनके घर पहुंचे। इनमें ऋषभ पंत और ऋतुराज गायकवाड़ भी शामिल हैं।

अगले महीने श्रीलंका से पांच टी-20 मैच खेलेगी भारतीय महिला टीम

मुंबई। हाल ही में महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर एक्शन में लौटने को तैयार है। टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 21 दिसंबर से विशाखापटनम में शुरू होगी। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस सीरीज में स्मृति मंधाना एक्शन में दिखेंगी? हाल ही में हुई

सीरीज शेड्यूल

मैच	दिन	तारीख	मुकाबला	स्थान
1	रविवार	21 दिसंबर	पहला टी-20I	विशाखापटनम
2	मंगलवार	23 दिसंबर	दूसरा टी-20I	विशाखापटनम
3	शुक्रवार	26 दिसंबर	तीसरा टी-20I	तिरुवनंतपुरम
4	रविवार	28 दिसंबर	चौथा टी-20I	तिरुवनंतपुरम
5	मंगलवार	30 दिसंबर	पांचवां टी-20I	तिरुवनंतपुरम

घटनाओं के बाद क्या वह टीम इंडिया में वापसी करेंगी या नहीं, इस पर संशय है। पिछले कुछ दिनों में उनकी कोई प्रतिक्रिया या बयान नहीं आया है और ऐसे में वह टीम इंडिया से कुछ और समय के लिए दूर रह सकती हैं।

बांग्लादेश दौरा स्थगित, श्रीलंका सीरीज बनी नया विकल्प

भारत को पहले बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने थे, लेकिन दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव के चलते यह दौरा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद बीसीसीआई ने खाली स्लॉट में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज की घोषणा की।

टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी का आगाजः यह सीरीज भारत के लिए केवल एक मुकाबला नहीं, बल्कि 2026 के टी20 महिला विश्व कप की तैयारी का शुरूआती कदम मानी जा रही है, जो जून में आयोजित होगा। वनडे विश्व कप जीतने के बाद भारत का अगला लक्ष्य अब टी20 विश्व चैंपियन बनना है। पिछले संस्करण में भारत शुरूआती चरण में ही बाहर हो गया था, जब टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद टीम ने वापसी करते हुए वेस्टइंडीज को 2-1 और इंग्लैंड को 3-2 से हराया है।

विश्व कप जीत के बाद अब भारतीय महिला टीम इस सीरीज में नए कॉम्बिनेशन, युवा खिलाड़ियों और बेहतर रणनीति के साथ उतरना चाहेगी। भारत के प्रशंसकों की उम्मीदें अब और बढ़ चुकी हैंऔर टीम इंडिया इस बार टी20 में भी इतिहास रचने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

मंधाना क्यों चर्चा में?

दरअसल, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश मुछाल की शादी इन दिनों सोशल मीडिया और फैन्स के बीच चर्चा का बड़ा विषय बनी हुई है। जिस शादी की तैयारियों को लेकर फैंस बेहद उत्साहित थे, वह अब अस्पष्टता और अफवाहों के घेरे में है।

23 नवंबर को शादी के दिन ही स्मृति के पिता की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद शादी की रस्में अनिश्चित समय के लिए टाल दी गईं। इस घटना का असर सिर्फ परिवार पर ही नहीं पड़ा, बल्कि इस तनाव के चलते दूल्हे पलाश की तबीयत भी खराब हो गई और उन्हें भी अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। सोशल मीडिया पर चल रहे स्क्रीनशॉट्स और अटकलों के बीच पलाश के परिवार ने साफ किया कि शादी की तारीख आगे बढ़ाने का फैसला सिर्फ हेल्थ इमरजेंसी की वजह से लिया गया था। हालांकि, इस बीच स्मृति मंधाना ने अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल से शादी से जुड़े पोस्ट हटा दिए थे। इससे अटकलें और तेज हो गईं थीं कि क्या सिर्फ तारीख नहीं, रिश्ता भी कठिन दौर से गुजर रहा है?

तीन दिन तक रहेगा अंतरराष्ट्रीय वाटर स्पोर्ट्स का रोमांच

खिलाड़ियों के पहुंचने के साथ ही बढ़ी रौनक

टिहरी गढ़वाल। अंतरराष्ट्रीय वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में भारत सहित 22 देशों के लगभग 300 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। अधिकांश टीमें, कोच और आयोजन से जुड़े प्रतिनिधि बृहस्पतिवार देर शाम तक कोटीकॉलोनी पहुंच चुके हैं।

टिहरी झील में आज शुक्रवार से तीन दिन तक अंतरराष्ट्रीय स्तर के साहसिक जल क्रीड़ा मुकाबले होंगे। झील में टिहरी वाटर स्पोर्ट्स की शुरूआत हो रही है जिसमें इंटरनेशनल प्रेजिडेंट कप व चौथे टिहरी वाटर स्पोर्ट्स का आयोजन इंडियन कयाकिंग एंड केनोइंग एसोसिएशन (आईकेसीए) के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रतियोगिता 30 नवंबर तक चलेगी। कयाकिंग एवं केनोइंग की इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत सहित 22 देशों के लगभग 300 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। अधिकांश टीमें, कोच और आयोजन से जुड़े प्रतिनिधि बृहस्पतिवार देर शाम तक कोटीकॉलोनी पहुंच चुके हैं। खिलाड़ियों के पहुंचने के साथ ही झील क्षेत्र में रौनक बढ़ गई है।पिछले कुछ वर्षों से टीएचडीसी की पहल पर टिहरी झील में साहसिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। इस बार भी आयोजन को सफल बनाने के लिए टीएचडीसी और आईकेसीए ने संयुक्त रूप से सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। झील क्षेत्र में सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, हेलीपैड, झील में लाइनिंग और आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया है। झील को आकर्षक रूप से सजाकर खिलाड़ियों और पर्यटकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया गया है। टीएचडीसी के डीजीएम एवं कार्यक्रम समन्वयक मोहन सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर दिया गया है।

तीनों प्रारूप में कोच बने रहेंगे गौतम गंभीर

द. अफ्रीका से हार के बावजूद BCCI ने जताया भरोसा

टेस्ट क्रिकेट से अब टीम इंडिया को कुछ समय का ब्रेक मिलेगा। अगला टेस्ट भारत 2026 में श्रीलंका दौरे पर खेलेगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि गंभीर आलोचनाओं से सीखकर टीम को वापसी की राह दिखा पाते हैं या नहीं।

नई दिल्ली। पिछले एक साल में टीम इंडिया को घर पर दो टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद भले ही आलोचना तेज हो गई हो, लेकिन इसके बावजूद गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल कोचिंग सेटअप में किसी बदलाव पर विचार नहीं किया जा रहा है। एक बोर्ड अधिकारी के हवाले से एएनआई ने लिखा, 'वह तीनों फॉर्मेट के हेड कोच बने रहेंगे, किसी बदलाव पर विचार नहीं हो रहा।'

लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज हार से बढ़ी नाराजगी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 की टेस्ट सीरीज हार ने भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास पर बड़ा असर डाला है। इससे पहले नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड ने भी भारत को 0-3 से क्लीन स्वीप किया था। गुवाहाटी टेस्ट में 408 रन की करारी हार के बाद फैन्स ने गौतम गंभीर की काफी आलोचना की थी। यह हार भारत की टेस्ट इतिहास में रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार थी।

भारत का घरेलू किला ढह रहा है

भारत ने अपने घरेलू मैदान पर तीसरी बार टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप झेला है। इससे पहले साल 2000 में दक्षिण अफ्रीका ने ही भारत को घर पर 2-0 से हराया था। इसके बाद 2024 में न्यूजीलैंड ने 3-0 से सफाया किया था। कभी घर पर अजेय कही जाने वाली टीम इंडिया के लिए घरेलू प्रभुत्व वाली टीमों में शामिल होना अब चुनौती बनता जा रहा है।

टीम चयन और रणनीति पर उठे सवाल

गंभीर के कोचिंग कार्यकाल में टीम चयन और रणनीति सबसे बड़ा विवाद बना है। आलोचकों का कहना है कि गंभीर ने कागजी ऑलराउंडरों पर ज्यादा भरोसा किया और कई स्थान विशेषज्ञ खिलाड़ियों से खाली रह गए।

इसके साथ ही रोहित शर्मा, विराट कोहली, अश्विन और चेतेश्वर पुजारा जैसे दिग्गजों के संन्यास ने भी टीम के संतुलन पर असर डाला है।

WTC पॉइंट्स टेबल में स्थिति खराब

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद भारत डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में पांचवे स्थान पर फिसल गया है। नौ मैचों में सिर्फ चार जीत और 48.15 पॉइंट प्रतिशत के साथ भारत को फाइनल दौड़ में बने रहने के लिए बाकी नौ टेस्ट जीतना आसान नहीं होगा। टेस्ट क्रिकेट से अब टीम इंडिया को कुछ समय का ब्रेक मिलेगा।

कमिंस और हेजलवुड एशेज के दूसरे मैच से भी बाहर

ऑस्ट्रेलिया ने गाबा टेस्ट के लिए टीम घोषित की

ब्रिस्बेन। कमिंस पिछले कुछ समय से रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि वे ब्रिस्बेन टेस्ट तक फिट हो जाएंगे, क्योंकि वे गुलाबी गेंद से अभ्यास करते भी नजर आए। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया फिलहाल कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता।ऑस्ट्रेलिया को एशेज 2025-26 सीरीज के दूसरे टेस्ट से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस ब्रिस्बेन में होने वाले मुकाबले में भी नहीं खेल पाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को यह पुष्टि की कि दूसरे टेस्ट के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और स्टीव स्मिथ एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कमिंस की फिटनेस पर सस्पेंस

कमिंस पिछले कुछ समय से रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि वे ब्रिस्बेन टेस्ट तक फिट हो

जाएंगे, क्योंकि वे गुलाबी गेंद से अभ्यास करते भी नजर आए। ' हालांकि, टीम मैनेजमेंट और मेडिकल स्टाफ ने किसी भी तरह की जल्दबाजी से बचते हुए उन्हें अभी और समय देने का फैसला लिया। हेड कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा, 'अभ्यास के दौरान गति और इंटेंसिटी अच्छी थी, लेकिन अभी शरीर में मैच-जैसी सहनशक्ति बनाने की जरूरत है। हम जोखिम नहीं लेना चाहते।'

चोटिल खिलाड़ी अभी भी बाहर

केवल कमिंस ही नहीं, जोश हेजलवुड और शॉन एबॉट भी इस टेस्ट से बाहर रहेंगे। दोनों खिलाड़ी पर्थ में पहले मैच के दौरान चोटिल हुए थे। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 1-0 की बढ़त हासिल कर चुका है, जहां पर्थ टेस्ट दो दिन में ही समाप्त हो गया था।

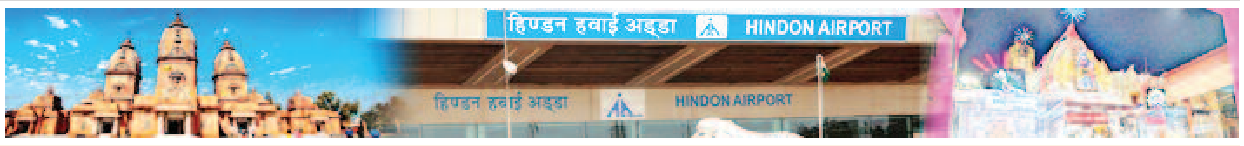

राघव गोयल का शुभ विवाह तान्या के साथ धूम-धाम से सम्पन्न

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। प्रमुख व्यवसायी नरेश चंद गोयल तथा अंजना गोयल के सुपुत्र राघव गोयल का शुभ विवाह संजय गोयल तथा अनु गोयल की सुपुत्री तान्या के साथ धूम-धाम से सम्पन्न हुआ। वेदांता फार्म हाउस में आयोजित विवाह समारोह में शहर के गणमान्य लोग पहुंचे और वर-वधु को आशीर्वाद प्राप्त किया।

गाजियाबाद में ध्वनि प्रदूषण पर बढ़ी चिंता
समाजसेवी ने डीएम से की सख्त कदमों की मांग

गाजियाबाद करंट क्राइम। एनसीआर के प्रमुख शहर गाजियाबाद में जहां नगर निगम वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, वहीं ध्वनि प्रदूषण को लेकर अब तक ठोस जागरूकता और प्रभावी कार्रवाई की कमी सामने आ रही है। शहर में तेज आवाज वाले वाहन, अनियंत्रित हॉर्न, डीजे और अन्य शोर-शराबे के कारण ध्वनि स्तर लगातार खतरनाक सीमा को पार कर रहा है। इसका दुष्प्रभाव न केवल आम नागरिकों पर बल्कि पक्षियों और पालतू पशुओं पर भी पड़ रहा है।

इस गंभीर समस्या को लेकर समाजसेवी सिकंदर यादव ने जिलाधिकारी गाजियाबाद को पत्र लिखकर ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। अपने पत्र में उन्होंने ध्वनि प्रदूषण के प्रमुख कारणों और उनके समाधान को विस्तार से रखा है। पत्र के अनुसार, वाहनों द्वारा अनावश्यक हॉर्न बजाने से सड़कों पर शोर लगातार बढ़ रहा है। वहीं, सुबह के समय कूड़ा संग्रह करने वाली गाड़ियों में तेज आवाज में बजने वाला संगीत नागरिकों की नींद में खलल डाल रहा है। शादी-विवाह और अन्य आयोजनों में देर रात तक बजने वाले डीजे की तेज आवाज से कई बार घरों की खिड़कियों तक कंपन महसूस किया जाता है। सिकंदर यादव ने सड़कों की सफाई के दौरान उड़ने वाली धूल को भी एक बड़ी समस्या बताया है। उनका कहना है कि झाड़ू लगाते समय पानी का छिड़काव करने से वायु प्रदूषण और अस्थमा जैसी बीमारियों को कम किया जा सकता है।

इसके अलावा उन्होंने शहर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों को सड़क किनारे घास लगाने के लिए प्रेरित करने, केंद्रीय डिवाइडरों पर हरियाली विकसित करने और इससे शोर व धूल दोनों में कमी लाने का सुझाव दिया है। पत्र में अस्पतालों, स्कूलों और धार्मिक स्थलों के आसपास 'नो हॉर्न जोन' लागू करने तथा सप्ताह में एक दिन 'नो हॉर्न डे' मनाने की मांग भी की गई है, ताकि लोगों में जागरूकता बढ़ सके और अनावश्यक हॉर्न बजाने की प्रवृत्ति कम हो।

समाजसेवी का कहना है कि यदि इन सुझावों को लागू किया जाता है तो शहर के नागरिकों के साथ-साथ छात्रों, बुजुर्गों और पक्षियों को भी बड़ी राहत मिल सकती है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि ध्वनि प्रदूषण को भी वायु प्रदूषण की तरह गंभीरता से लेते हुए इसके नियंत्रण के लिए शीघ्र प्रभावी कदम उठाए जाएं।

अनुभव त्यागी का शुभ विवाह अंशु त्यागी के साथ धूम-धाम से सम्पन्न

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नीरज त्यागी तथा अंजू त्यागी के सुपुत्र अनुभव त्यागी का शुभ विवाह प्रवीन त्यागी तथा अनिता त्यागी की सुपुत्री अंशु त्यागी के साथ धूम-धाम से सम्पन्न हुआ। शहर के गणमान्य लोगों ने विवाह समारोह में पहुंचकर अनुभव और अंशु को उनके विवाह की बधाई शुभकामनायें देते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

एचआरआईटी विश्वविद्यालय को मिली ऐतिहासिक सफलता, एनसीसी यूनिट की स्थापना से बढ़ा गौरव

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाज़ियाबाद स्थित एचआरआईटी विश्वविद्यालय ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। वर्ष 2024 से किए जा रहे सतत प्रयासों और समर्पण के फलस्वरूप विश्वविद्यालय को अपने परिसर में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की सीनियर डिवीजन/सीनियर विंग (एसडी/एसडब्ल्यू) यूनिट की स्थापना की औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस गौरवशाली अवसर का उद्घाटन 37 यूपी एनसीसी जी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संदीप पांडे एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनिल अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस ऐतिहासिक क्षण ने एचआरआईटी को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाई है। कुलाधिपति डॉ. अनिल अग्रवाल ने कहा, यह हमारे विश्वविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का क्षण है। एनसीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि अनुशासन, देशभक्ति, नेतृत्व और सेवा भावना का प्रतीक है।

इसकी स्थापना से हमारे विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी की प्रेरणा मिलेगी। यह उपलब्धि एचआरआईटी विश्वविद्यालय की दूरदर्शिता, नेतृत्व और विद्यार्थियों के समग्र विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह कदम न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि युवाओं में देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रबल करेगा।

कौन एसीपी नहीं दे रहा है अंटेंशन

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एसीपी स्तर के अधिकारियों की लंबी फौज है। कई एसीपी अपनी वर्किंग से पहचान बनाने वाले हैं तो कुछ के नाम की चर्चा आजकल उनके ऑफिस में नही रहने को लेकर सुनाई दे रही है। तो सुनने में आ रहा है कि इस फौज में कुछ लोग मौज लेने का भी काम कर रहे हैं। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में सिटी जोन के अंतर्गत तीन एसीपी मौजूद हैं। सुनने में आ रहा है कि एक एसीपी अपने सर्किल में इन दिनों अटेंशन नहीं दे रहे हैं। उधर सूत्र बता रहे हैं कि उनके कार्यालय में अधिकांश आने वाले फरियादी या तो वेट करते रह जाते हैं, क्योंकि उनके वाले साहब अधिकतर कार्यालय लेट आते हैं। अब ऐसा संयोग हो सकता है या मामला कुछ और कभी उनके सर्किल वाले कार्यालय पर अधिवक्ताओं, नेताओं, मीडिया और स्थानीय लोगों की भीड़ रहा करती थी जनसुनवाई का नजारा नजर आता था। तो वहां लाइन वालों से लेकर अन्य लोग भी नजर आते थे लेकिन बीते कुछ महीनो से हाल बदला चल रहा है। तो क्राइम कंट्रोल का भले कमिश्नरेट में दावा हो लेकिन उनके सर्किल में दिनदहाड़े हुई घटना भी सवाल उठा रही है। उधर पब्लिक वाले लोग बता रहे हैं कि जब से उनके बराबर वाला ऑफिस पीछे शिफ्ट हुआ है, तब से मामला और टेंशन वाला बन गया है। कुल मिलाकर जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में बड़ी संख्या में एसीपी तैनात हैं, तो साहब को भी चाहिए कि आने वाले दिनों में जैसे ऑनलाइन अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए जाते थे, वैसे ही किसी दिन एसीपी स्तर के कार्यालयों का भी भ्रमण एवं निरीक्षण हो जाए। तो हकीकत पता चलने के साथ ही रियलिटी टेस्ट भी हो जाएगा। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में दो से तीन एसीपी अभी लिस्ट वाले वेट में लगे हुए हैं। देखना होगा लखनऊ वाली लिस्ट कब आती है और इस लिस्ट में गाजियाबाद से कौन-कौन एसीपी स्तर का अधिकारी सवार होता है। वैसे दो शेरों की संभावना प्रबल है और बताया जा रहा है की तीसरी भी उसमें शामिल हो सकते हैं। अब देखना होगा कि नंबर किसका आता है और कौन सेफ रह जाता है। वैसे दिसंबर का महीना एसीपी वाली लिस्ट के लिए माना जा रहा है और बताया जा रहा है कि इसमें कई कमिश्नरेट के एसीपी इधर से उधर किया जा सकते हैं। देखना होगा कि आने वाले दिनों में इसका पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के किस जोन पर कितना असर पड़ेगा।

कौशांबी वार्ड 72 में एसआईआर कार्य में बूथ लेवल अफसरों का व्यापक सहयोग
पार्षद कुसुम मनोज गोयल व नगर निगम की टीम ने दिया समर्थन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। कौशांबी वैशाली वार्ड 72 में बीएलओ सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। इस प्रक्रिया में वार्ड की पार्षद कुसुम मनोज गोयल ने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। पार्षद ने अपने क्षेत्र में बीएलओ के काम को सराहते हुए कहा, हमारा लक्ष्य मतदाता सूची को यथासंभव सटीक बनाना है, इसलिए सभी विभागों का सहयोग आवश्यक है।

नगर निगम की ओर से सफाई नायक विनोद कुमार भी इस अभियान में जुड़ गए हैं। उन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों को बीएलओ के साथ मिलकर फॉर्म भरवाने और दस्तावेज जमा करने में मदद की जा रही है, ताकि प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। शुक्रवार को कौशांबी के कंचनजंगा टावर परिसर में आयोजित एक विशेष जागरूकता सत्र में समाजसेवी आलोक माथुर और शिवकुमार भारद्वाज ने भी भाग लेकर बीएलओ को आवश्यक जानकारी प्रदान की और स्थानीय निवासियों को फॉर्म भरने के लिए प्रेरित किया। इस सहयोगी प्रयास से वार्ड में एसआईआर कार्य की गति में सुधार हुआ है। पार्षद कुसुम मनोज गोयल ने आगे कहा कि इस तरह के सामुदायिक सहयोग से ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकता है। नगर निगम के अधिकारी भी इस पहल को सराहते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे संयुक्त प्रयास जारी रहेंगे।

गैस बिल का भुगतान नहीं हुआ है, ऐप डाउनलोड कराकर ठग लिए 9.58 लाख

नोएडा। साइबर जालसाजों ने आईजीएल बिल जमा नहीं होने के झांसे में लेकर सेवानिवृत्त शिक्षक से 9.58 लाख रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने ऑनलाइन बिल जमा कराने के बहाने खुद लिंक भेजकर एप डाउनलोड कराई। और रकम ट्रांसफर करा ली। इस मामले में साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर 50 के रहने वाले आदित्य कुमार सेवानिवृत्त शिक्षक हैं।

नाले में गिरकर मासूम की मौत, परिवार का बुरा हाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। टीलामोड थानाक्षेत्र भोपुरा स्थित राजीव नगर में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में पाँच साल की बच्ची की नाले में गिरकर मौत हो गई। बच्ची दुकान से बाहर निकल रही थी तभी उसका पैर फिसला और वह निमार्णाधीन खुले नाले में जा गिरी। परिजनों और स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में पिछले दो महीने से नालों का निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए।

कई नाले खुले पड़े हैं, जिन पर न सुरक्षा दीवार बनाई गई है और न ही ढक्कन लगाए गए हैं। लोगों ने बताया कि अस्थाई आवाजाही के लिए लकड़ी की पट्टियां रखी गई थीं, जिन पर फिसलकर बच्ची नाले में गिर गई।

निगम की लापरवाही का लगाया आरोप

करंट क्राइम। निवासियों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि अधूरे पड़े विकास कार्यों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क और दुकानों के बाहर मिट्टी के ढेर, गड्ढे और खुले नाले लोगों के लिए बड़े खतरे बने हुए हैं। शिकायतों के बावजूद कोई अधिकारी मौके पर स्थिति देखने तक नहीं आया। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से तुरंत सीवर की सफाई, गंदे पानी की निकासी और खुले नालों को ढकने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

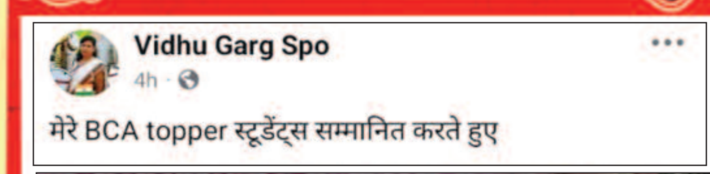

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। एक गुरू के लिए वो पल सबसे गौरवमयी होता है जब उसके पढ़ाये हुए छात्र सफलता हासिल करते हैं। निशुल्क बुक बैंक चलाकर छात्रों को पुस्तकें उपलब्ध कराने वाली विधु गर्ग के लिए भी एक ऐसा ही पल आया जब उनके बीसीए टॉपर स्टूडेंट को सम्मानित किया गया। ये सम्मान एक छात्र का था और ये गौरव महसूस किया एक टीचर के रूप में विधु गर्ग ने। स्टूडेंट की सफलता को टीचर के रूप में विधु गर्ग ने फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। सफलता, सम्मान और गौरव का संदेश देती ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

ब्रैम्पटन शहर के एक घर में लगी भीषण आग भारतीय नागरिक समेत पांच लोगों की मौत

कनाडा के ब्रैम्पटन में 20 नवंबर को एक घर में भीषण आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। तीन महिलाओं और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हुई, जबकि एक गर्भवती महिला घायल हुई और उसका बच्चा नहीं बच पाया।

ओटावा। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में लगी भीषण आग ने पांच लोगों की जान ले ली। इनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह हादसा 20 नवंबर की तड़के उस समय हुआ जब एक घर में आग लग गई। घटना के बाद भारतीय दूतावास ने गहरा दुख जताते हुए पीड़ित परिवारों से संपर्क किया है और हर संभव सहायता देने की बात कही है। मौतों की पुष्टि के बाद स्थानीय प्रशासन और जांच एजेंसियां मामले की जांच में जुट गई हैं।

मकान में सुबह करीब 2.15 बजे आग लगी। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, तीन महिलाओं और एक छोटे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। एक गर्भवती महिला ने खिड़की से कूदकर जान तो बचा ली, लेकिन गंभीर चोटों के चलते उसका अजन्मा बच्चा जीवित नहीं रह सका। ओंटारियो के फायर मार्शल कार्यालय ने आग के कारणों की जांच शुरू कर दी है। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि आग कैसे लगी।

भारतीय दूतावास की प्रतिक्रिया

टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। दूतावास ने कहा कि भारतीय नागरिकों की मौत बेहद दुखद है और उनके परिवारों के साथ इस कठिन समय में पूरा सहयोग किया जा रहा है। मिशन ने बताया कि पीड़ित परिवार से संपर्क कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

घायलों को अस्पताल में किया गया भर्ती

अधिकारियों के अनुसार, चार लोग मौके पर ही दम तोड़ चुके थे और अन्य कई लोगों को अस्पताल ले जाया गया। एक पांच वर्षीय बच्चा अब स्थिर है, जबकि कुछ लोग अभी भी गंभीर स्थिति में हैं। पुलिस अधिकारी टायलर बेल ने कहा कि प्राथमिकता पीड़ितों और गवाहों की सहायता करना है।

मकान मालिक पर सवाल

ब्रैम्पटन के मेयर पैट्रिक ब्राउन ने दावा किया कि जिस मकान में आग लगी वहां मकान मालिक अनुपस्थित था। इस घर के बेसमेंट यूनिट को लेकर पहले भी कई बार अनुपालन संबंधी शिकायतें मिल चुकी थीं। हालांकि, अधिकारी ने कहा कि फिलहाल जांच का फोकस हादसे के पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों पर है। घर में कितने लोग रह रहे थे, इस बारे में उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी। ओंटारियो फायर मार्शल की टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आग किस वजह से तेजी से फैली। स्थानीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यह जांच लंबी चल सकती है। हादसे ने पूरे भारतीय समुदाय और स्थानीय समाज को सदमे में डाल दिया है। परिवारों के लिए यह गहरी त्रासदी है और अधिकारी मामले की बारीकी से जांच कर रहे हैं।

ट्रंप-मस्क में हो गई सुलह, थैंक्सगिविंग में साथ खाना खाने की फोटो वायरल

वॉशिंगटन। लंच की जो तस्वीर वायरल हुए है, उसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क, डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन साथ बैठे दिखाई दिए। अभी यह साफ नहीं है कि एक्स पर साझा की गई यह फोटो कहां ली गई, हालांकि इसमें ट्रंप और मस्क एक ही ओर पास बैठे नजर आए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के संस्थापक एलन मस्क के बीच सुलह की अटकलें तेज हो गई हैं। दरअसल, दोनों की एक तस्वीर हाल ही में वायरल हुई है। इसमें ट्रंप और मस्क अमेरिका में प्रचलित थैंक्सगिविंग त्योहार के दौरान साथ लंच करते दिख रहे हैं। इस तस्वीर को ट्रंप सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी की तरफ से साझा किया गया है।

लंच की जो तस्वीर वायरल हुए है, उसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क, डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन साथ बैठे दिखाई दिए। अभी यह साफ नहीं है कि एक्स पर साझा की गई यह फोटो कहां ली गई, हालांकि इसमें ट्रंप और मस्क एक ही ओर पास बैठे नजर आए। तस्वीर के सामने आने के बाद से ही उन चचाओं को जोर मिला है, जिनमें कहा जा रहा था कि दोनों के तनावपूर्ण संबंध अब सुधार की दिशा में हैं। कैनेडी ने इस पोस्ट के कैप्शन में हैप्पी थैंक्सगिविंग लिखा।

गौरतलब है कि इस महीने की शुरूआत में व्हाइट हाउस में भी ट्रंप और मस्क साथ नजर आए थे। ट्रंप को व्हाइट हाउस में बने राष्ट्रपति कार्यालय- ओवल ऑफिस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की मौजूदगी में मस्क के पेट पर हल्के से हाथ मारते हुए देखा गया था। उस इशारे को भी कई लोगों ने दोनों के बीच सुलह का संकेत माना था।

इन मुद्दों पर दोनों के बीच उभरा था तनाव

बता दें कि ट्रंप और मस्क को कभी राजनीतिक रूप से करीबी माना जाता था। हालांकि, दो बड़े विवादों के बाद दोनों में टकराव की स्थिति पैदा हो गई। पहला विवाद यौन उत्पीड़न के आरोपी एपस्टीन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद पैदा हुआ, वहीं दूसरी बार तनाव ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर बढ़ा।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की तबीयत बेहद नाजुक, अस्पताल में हालत गंभीर

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। रविवार रात सीने में संक्रमण के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बताया कि डॉक्टरों ने उनकी स्थिति अत्यंत गंभीर बताई है।

ढाका। बांग्लादेश की राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल और बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद देश की सियासत में चिंता गहरा गई है। पार्टी नेताओं का कहना है कि 80 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है और डॉक्टर लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए हैं। खालिदा जिया की यह स्थिति ऐसे समय सामने आई है जब बांग्लादेश में कुछ महीने बाद ही चुनाव हैं।

बीएनपी पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बताया कि खालिदा जिया को रविवार रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जब उन्हें सीने में संक्रमण हुआ जिसने उनके हृदय और फेफड़ों को गंभीर रूप से प्रभावित किया। डॉक्टरों ने शुक्रवार देर रात उनकी स्थिति को काफी गंभीर बताया है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार उनके कई अंग कमजोर हो चुके हैं और इलाज लगातार जारी है।

पार्टी ने देशभर में की दुआ की अपील

तीसरे पैराग्राफ में बताया कि बीएनपी ने शुक्रवार की नमाज के बाद पूरे देश में विशेष प्रार्थना का आयोजन किया। आलमगीर ने कहा कि उन्होंने जनता से लोकतंत्र की मां कही जाने वाली खालिदा जिया के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ठीक होकर देश की सेवा में लौटेंगी।

खालिदा जिया पिछले कई वर्षों से कई गंभीर बीमारियों से जूझ रही हैं। उन्हें लिवर, किडनी, डायबिटीज, आर्थराइटिस और आंखों से जुड़ी बीमारियां लंबे समय से परेशान कर रही हैं। उनकी उम्र और पुरानी बीमारियों ने इस बार संक्रमण को और अधिक खतरनाक बना दिया है।

परिवार की स्थिति भी चुनौतीपूर्णः उनका बड़ा बेटा व बीएनपी के एक्टिंग चेयरमैन तारीक रहमान 2008 से लंदन में रह रहे हैं। छोटे बेटे अराफात रहमान की 2025 में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। परिवार के अधिकांश सदस्य देश से बाहर होने के कारण देखभाल की जिम्मेदारी पार्टी के शीर्ष नेताओं पर आ गई है।

छात्र-नेतृत्व वाले आंदोलन के बाद 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बीएनपी राजनीतिक रूप से सबसे आगे उभरी है।

इमरान खान की बहन ने किया अदालत का रुख
भाई से मिलने के लिए हाईकोर्ट में दायर की याचिका

लाहौर। इमरान खान की बहन अलीमा खान ने शुक्रवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट में अडियाला जेल सुपरिटेंडेंट और अन्य के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की याचिका दायर की है। अलीमा का कहना है कि उन्हें जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मिलने की इजाजत नहीं दी गई। याचिका में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के 24 मार्च के आदेश का जिक्र किया गया है, जिसमें कोर्ट ने 73 साल के अलीमा को हफ्ते में दो बार जेल में बंद इमरान खान से मिलने का शेड्यूल शुरू किया था।

याचिका में अदालत की अवमानना का आरोपः याचिका में अलीमा ने कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की मांग की है। याचिका में जिन लोगों के नाम हैं, उनमें अडियाला जेल सुपरिटेंडेंट अब्दुल गफूर अंजुम, सद्दार बेरोनी पुलिस स्टेशन के रल्ळड राजा ऐजाज अजीम, संघीय आंतरिक सचिव कैप्टन (रिटायर्ड) मुहम्मद खुर्रम आगा और पंजाब गृह विभाग के सचिव नूरुल अमीन शामिल हैं।

इमरान खान के परिवार का दावा है कि बीते कई हफ्तों से उन्हें इमरान खान से मिलने नहीं दिया जा रहा है। इसे लेकर इमरान खान की बहनों ने लाहौर की अडियाला जेल के बाहर धरना प्रदर्शन भी किया था, जहां इमरान खान बंद हैं।

इमरान खान की बहन ने कहा कि 'पाकिस्तान में तानाशाह पहले भी सत्ता में आए हैं, लेकिन उनका भी हश्र अच्छा नहीं हुआ तो इनका भी हश्र अच्छा नहीं होगा। कब तक ये लोग जुल्म करेंगे और लोगों को दबाएंगे?'

इसे लेकर न्यूज एजेंसी एएनआई ने इमरान खान की बहन नूरीन नियाजी से बात की। इस बातचीत में नूरीन ने कहा कि पाकिस्तान में आर्मी चीफ आसिम मुनीर ज्यादा बड़ी ताकत हैं। इमरान खान की रिहाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय मदद लेने के सवाल पर नूरीन नियाजी ने कहा कि 'मुझे लगता है कि देश के लोगों को खुद ही उठकर अपना हक लेना होगा।

आसिम मुनीर को बताया तानाशाह

नूरीन नियाजी ने आगे कहा कि 'इस वक्त पाकिस्तान में आसिम मुनीर बड़ी ताकत हैं। शहबाज शरीफ तो हार चुके थे, लेकिन आसिम मुनीर की मदद से वे सत्ता में हैं।' उन्होंने विदेश में रह रहे पाकिस्तानी मूल के लोगों से अपील की कि वे इमरान खान और पाकिस्तान के मौजूदा हालात के खिलाफ लिखें और अपनी आवाज उठाएं कि किस तरह से पाकिस्तान में बदतर हालात हैं और किस तरह से लोगों पर जुल्म हो रहे हैं।

इमरान खान की बहन ने कहा कि 'पाकिस्तान में तानाशाह पहले भी सत्ता में आए हैं, लेकिन उनका भी हश्र अच्छा नहीं हुआ तो इनका भी हश्र अच्छा नहीं होगा।

अब इंडियन शब्द इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं : ट्रम्प
नेटिव अमेरिकन समूहों ने जताया कड़ा विरोध

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इंडियन शब्द का इस्तेमाल अब मानो प्रतिबंधित कर दिया गया है, जबकि उनके अनुसार इंडियन ही इसके उपयोग का समर्थन करते हैं। इसके बाद कई नेटिव समूहों ने इसे नस्लीय और अपमानजनक बताया है, जबकि एक संगठन ने ट्रंप का समर्थन किया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा बयान दे दिया है जिसने नेटिव अमेरिकन समुदायों में नई बहस शुरू कर दी है। ट्रंप ने दावा किया कि अब इंडियन शब्द का इस्तेमाल करना मानो प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसे इस्तेमान नहीं कर सकते। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में जनजातीय पहचान, पुरानी टीमों के नाम और सांस्कृतिक संवेदनशीलता पर गंभीर चचाएं जारी हैं।

ट्रंप ने बातचीत में कहा कि आप ह्यइंडियनह्व शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकते। सिर्फ इंडियंस ही चाहते हैं कि आप इसका इस्तेमाल करें। मैं कभी आपको इसे बदलने के लिए नहीं कहूंगा। यह शब्द ऐतिहासिक गलती से जुड़ा है, जब क्रिस्टोफर कोलंबस ने सोचा था कि वह भारत पहुंच गया है, और इस गलतफहमी के चलते नेटिव अमेरिकन को इंडियन कहा जाने लगा। कुछ जनजातीय सदस्य आज भी इसे अपनाए रखते हैं, जबकि कई इसे नस्लीय और गलत मानकर छोड़ देना चाहते हैं।

पुराना विवाद फिर गरमाया

ट्रंप पहले भी नेटिव अमेरिकन समुदायों से जुड़े मुद्दों पर विवादों में रहे हैं। वॉशिंगटन की एनएफएल टीम के पुराने नाम रेडस्किन्स को लेकर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया था। 2020 में विरोध और आलोचनाओं के चलते यह नाम हटाकर वाशिंगटन कमांडर्स कर दिया गया था। ट्रंप का कहना था कि वह नए स्टेडियम की मंजूरी तभी देंगे जब टीम अपना पुराना नाम वापस ले। उन्होंने यह भी कहा था कि पुराना नाम टीम के लिए ज्यादा मूल्यवान और ज्यादा रोमांचक होगा।

अमेरिकन इंडियन अफेयर्स एसोसिएशन ने उठाई आवाज

अमेरिकन इंडियन अफेयर्स एसोसिएशन सहित कई समूहों ने ट्रंप के दावों को खारिज कर दिया और कहा कि ऐसी टीम मास्कॉट परंपराओं से नेटिव संस्कृतियों को कार्टून की तरह पेश किया जाता है। समूह का कहना है कि ये नाम और मास्कॉट हमें सम्मान नहीं देते, बल्कि हमें मजाक बना देते हैं। हम जीवित संस्कृतियाँ हैं, मनोरंजन के साधन नहीं।

हांगकांग अग्निकांड में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 128 हुआ
जली हुई इमारतों से अभी भी मिल रहे शव

हांगकांग। जिस परिसर में आग लगी, उसमें करीब दो हजार फ्लैट हैं, जिनमें करीब 4800 लोग रह रहे थे। हादसे में 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें 11 अग्निशमन दल के जवान हैं।

हांगकांग की रिहायशी इमारतों में लगी आग में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 128 हो गया है। शुक्रवार को आग से प्रभावित इमारतों में तलाशी अभियान के दौरान कई और शव मिले, जिसके बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया। अग्निशमन विभाग अब शुक्रवार को तलाशी अभियान के आखिरी चरण में हैं और उसके बाद अभियान समाप्त कर दिया जाएगा। अग्निशमन दल के लोग सबसे ज्यादा उन इमारतों की तलाशी पर फोकस कर रहे हैं, जहां से सबसे ज्यादा कॉल आए थे, लेकिन अग्निशमन दल के लोग पहुंच नहीं पाए थे।

अभी और बढ़ सकता है मृतकों का आंकड़ा

हांगकांग के सुरक्षा सचिव क्रिस तांग ने मीडिया से बातचीत में बताया कि जली हुई इमारतों से शव बरामद हो रहे हैं और मृतकों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। बुधवार दोपहर में हांगकांग के ताई पो इलाके में स्थित वांग फुक कोर्ट परिसर में आठ इमारतों में से सात में आग लग गई थी। इमारतों में पुनर्निर्माण के काम के लिए बांस की मचान लगी हुई थी, जिनके चलते आग तेजी से फैली और एक इमारत से शुरू हुई आग ने सात इमारतों को चपेट में ले लिया। एक हजार से ज्यादा अग्निशमन दल के जवानों ने 24 घंटे में आग पर नियंत्रण पाया था। हादसे के दो दिन बाद भी अभी भी इमारतों से धुआं उठता देखा जा रहा है।

हांगकांग के अधिकारियों ने इस अग्निकांड से सबक लेते हुए उन हाउसिंग एस्टेट्स का तुरंत निरीक्षण करने का फैसला किया है, जहां पुनर्निर्माण कार्य हो रहे हैं, ताकि यह पक्का हो सके कि मचान और निर्माण संबंधी सुरक्षा स्टैंडर्ड का उल्लंघन तो नहीं हो रहा है।

बुधवार को रिहायशी इमारतों में लगी आग हांगकांग के इतिहास के सबसे भयानक अग्निकांड में से एक है। चीनी मीडिया के अनुसार, इससे पहले साल 1996 में कोवलून की एक व्यवसायिक इमारत में आग लगने से 41 लोग मारे गए थे। वहीं 1948 में एक गोदाम में आग लगने से 176 लोग मारे गए थे।

गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में तीन आरोपी गिरफ्तार

जिस परिसर में आग लगी, उसमें करीब दो हजार फ्लैट हैं, जिनमें करीब 4800 लोग रह रहे थे। हादसे में 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें 11 अग्निशमन दल के जवान हैं। वहीं 900 लोग अस्थायी कैंपों में रह रहे हैं। जिन दो इमारतों में सबसे पहले आग लगी, उन्हीं में सबसे ज्यादा जान-माल का नुकसान हुआ है। हांगकांग पुलिस ने हादसे को लेकर एक निर्माण कंपनी के निदेशकों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों को गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

टूटी सड़कें, 145 मौतें और 36 लाख लोग प्रभावित...
थाईलैंड की बाढ़ ने दिखाई त्रासदी की तस्वीर

थाईलैंड में भारी बारिश से आई बाढ़ में अब तक 145 लोगों की मौत हो चुकी है। सोंगखला प्रांत में स्थिति सबसे गंभीर रही, जहां 110 मौतें दर्ज हुईं। पानी घटने के साथ ही नुकसान की असली तस्वीर सामने आई, जिसमें टूटी सड़कें, उलटी गाड़ियां और डूबे हुए घर शामिल हैं।

बैंगकॉक। थाईलैंड में बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। लगातार बारिश से उत्पन्न आपदा में अब तक 145 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। पानी उतरने के साथ ही तबाही की वास्तविक तस्वीर सामने आ रही है, जिसमें टूटे घर, उलटी हुई गाड़ियां और बहा हुआ मलबा पूरे इलाकों में फैला नजर आ रहा है।

थाईलैंड के आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, 12 प्रांतों में 1.2 मिलियन घरों और 36 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा नुकसान सोंगखला प्रांत में हुआ, जहां अकेले 110 लोगों की मौत दर्ज की गई। सरकार ने बताया कि पानी घटने से रेस्क्यू टीमें उन इलाकों तक पहुंचने में सक्षम हुई हैं, जो पहले पूरी तरह डूबे हुए थे।

सोंगखला में सबसे ज्यादा मौतें

सोंगखला प्रांत में जैसे-जैसे पानी नीचे गया, वैसे-वैसे मौतों का आंकड़ा तेजी से बढ़ा। हैट याई शहर में कई कॉलोनियां पूरी तरह डूबी हुई थीं, जिनमें बचावकर्मी पहले प्रवेश नहीं कर पा रहे थे। पानी हटते ही बड़ी संख्या में शव बरामद हुए, जिससे हालात की भयावहता का अंदाजा लगा।

राहत अभियान में तेजीः आपदा विभाग ने बताया कि अधिकांश प्रभावित क्षेत्रों में पानी घट रहा है, लेकिन कई जगहों पर जलस्तर अभी भी ऊंचा है। मौसम विभाग ने बारिश में कमी की पुष्टि की है, लेकिन कुछ इलाकों में गरज-तूफान की चेतावनी जारी की है। सरकार ने कहा कि रेस्क्यू अभियान तेज हुआ है और फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है।

लाखों लोग प्रभावितः भारी नुकसान के कारण लाखों लोग अपने घरों से बेघर हो गए हैं। कई परिवारों ने पूरी संपत्ति खो दी है। राहत एजेंसियां भोजन, दवाइयां और अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराने में जुटी हैं। सरकार ने व्यापक पुनर्वास और नुकसान की भरपाई को लेकर दीर्घकालिक योजना पर काम शुरू कर दिया है।

बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान

बाढ़ ने परिवहन और जनजीवन को पूरी तरह अव्यवस्थित कर दिया। कई सड़कें बह गईं, बिजली के खंभे गिर पड़े और कई मकान पूरी तरह जलमग्न हो गए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में उलटी हुई गाड़ियां, टूटी सड़कें और जगह-जगह जमा मलबा दिख रहा है। कई वाहन एक-दूसरे के ऊपर चढ़े मिले, जो बाढ़ की धार की ताकत को दिखाते हैं।

दक्षिण एशिया में नापाक मंसूबे तो नहीं पाल रहा है पाकिस्तान

पूर्व विदेश सचिव शशांक का मानना है कि दक्षिण एशिया क्या, तमाम क्षेत्रों में भारत के लिए चुनौतियां कम नहीं हो रही हैं। वायुसेना के पूर्व एयर वाइस मार्शल एनबी सिंह कहते हैं कि पाकिस्तान में चुनी गई सरकार को कई बार सैन्य जनरलों ने पलटा है।

इस्लामाबाद। मौजूदा समय में दक्षिण एशिया में सवाल पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की लोकप्रियता से निपटने का नहीं है। बड़ा सवाल यह है कि फील्ड मार्शल जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल तमगा देने के बाद आखिर पाकिस्तान की मंशा क्या है? क्या वह कोई नई आफत मोल लेने का सपना देख रहा है। यह सवाल भारतीय रणनीतिकारों को सोच में डाल रहा है।

पूर्व विदेश सचिव शशांक का मानना है कि दक्षिण एशिया क्या, तमाम क्षेत्रों में भारत के लिए चुनौतियां कम नहीं हो रही हैं। पाकिस्तान में भारत के राजदूत रहे अजय बिसारिया भी पाकिस्तान में चल रहे घटनाक्रम को लेकर संवेदनशील हैं। वायुसेना के पूर्व एयर वाइस मार्शल एनबी सिंह कहते हैं कि पाकिस्तान में चुनी गई सरकार को कई बार सैन्य जनरलों ने पलटा है। इस सच्चाई का अनुभव करने के बाद भी पाकिस्तान ने आर्टिकल 234 में संशोधन करके फील्ड मार्शल जनरल मुनीर को बड़ी संवैधानिक ताकत दी है। एनबी सिंह कहते हैं कि आपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया था, लेकिन आर्टिकल 234 के संशोधन ने उन्हें असीमित पावर दे दिया है।

जनरल मुनीर को इतना बड़ा तमगा देने के मायने क्या हैं?

विदेश मामले के वरिष्ठ पत्रिकार रंजीत कुमार कहते हैं कि जनरल मुनीर की पाकिस्तान की छवि कट्टरपंथियों को बढ़ावा देने की है। उनके समय में लश्कर-ए-तयैबा और जैशे-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के मजबूत होने की संभावना है। ऐसा माना जा रहा है कि जनरल मुनीर के इशारे पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने बांग्लादेश में भी अपने आपरेशन को तेज कर दिया है। बताते चलें कि पाकिस्तान दो बड़ी चुनौती झेल रहा है। पहली तो यह कि अफगानिस्तान की सरकार से उसके रिश्ते ठीक नहीं चल रहे हैं। अफगानिस्तान ने इसके सामानांतर भारत की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। दूसरी तरफ बलूचिस्तान के लोगों ने बड़ा मोर्चा खोल रखा है। इसके अलावा पाकिस्तान की आंतरिक चुनौतियां भी लगातार बढ़ रही हैं। जनरल आसिफ मुनीर ही वह शख्स हैं, जिन्होंने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के सत्ता में लौटने में बड़ी बाधा खड़ी की थी। सेना के समर्थन से ही प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को सरकार बनाने में सफलता मिल पाई। इमरान के गिरफ्तार होने, जेल जाने के पीछे भी जनरल मुनीर की बड़ी भूमिका थी।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

शिवम जिन्दल और रिया अग्रवाल का सगाई समारोह धूम-धाम से सम्पन्न

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शास्त्रीनगर निवासी विनोद कुमार जिन्दल के सुपुत्र शिवम जिन्दल का वागदान समारोह रिया अग्रवाल के साथ धूम-धाम से सम्पन्न हुआ। इंपीरियल हॉल में आयोजित सगाई समारोह में समाज के गणमान्य लोग पहुंचे। यहां पर भाजपा नेता वेद प्रकाश गर्ग खादी वाले प्रमुख रूप से मौजूद थे। जिन्दल परिवार के साथ उन्होंने भी सभी अतिथियों का स्वागत किया। सगाई समारोह में पहुंचे सभी गणमान्य अतिथियों ने शिवम जिन्दल और रिया अग्रवाल को बधाई शुभकामनायें देते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

नया गंज के पी चंद्रा द्वार के पुनर्निर्माण का शुभारंभ
भूमि पूजन के साथ कार्य शुरू

गाजियाबाद करंट क्राइम। नया गंज स्थित पी चंद्रा द्वार के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ बुधवार को विधिवत भूमि पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम में पुष्पा रानी गोयल द्वारा भूमि पूजन किया गया और सांसद अतुल गर्ग तथा विधायक संजीव शर्मा की उपस्थिति में नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरूआत कराई। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद राजीव शर्मा, कार्यक्रम के आयोजक विनय चंद्रा, नया गंज आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष उपेंद्र गोयल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से दिनेश गोयल, मानवेंद्र गोयल, संदीप बंसल, लोकेश गर्ग, अनिल अग्रवाल, विश्वेंद्र गोयल, नीरज पंडित, मोहित गोयल, प्रवीण सिंहल, रवींद्र सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान नया गंज वासियों द्वारा सांसद अतुल गर्ग एवं विधायक संजीव शर्मा का सम्मान किया गया और क्षेत्र के विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक विनय चंद्रा की ओर से सभी अतिथियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। स्थानीय लोगों ने पी चंद्रा द्वार के पुनर्निर्माण से क्षेत्र की सुंदरता और पहचान को और सुदृढ़ होने की उम्मीद जताई।

क्षेत्र का विकास ही मेरा परम धर्म है : विधायक संजीव शर्मा

गाजियाबाद करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा ने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। इन कार्यों का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।

वार्ड संख्या 35 के अकबर-बहरामपुर क्षेत्र में देवेंद्र पाल के मकान से कैलाश यादव के मकान तक नाली एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस कार्य की अनुमानित लागत लगभग 22 लाख रुपये बताई गई है। इसी वार्ड में श्याम दत्त के मकान से माता मंदिर तक नाली एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य भी शुरू किया गया, जिसकी अनुमानित लागत करीब 6 लाख रुपये है।

इसके अलावा वार्ड संख्या 2 के रघुनाथपुरी क्षेत्र में देवेंद्र के मकान से सुरेंद्र के मकान तक, प्रमोद से नंद किशोर तक तथा सुरेंद्र के मकान से पुष्पेंद्र के मकान तक नाली एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स के निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। इन सभी कार्यों की कुल अनुमानित लागत लगभग 15 लाख रुपये है।

शहर विधायक संजीव शर्मा के मीडिया प्रभारी अजय चोपड़ा ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में जनता की सुख-सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई अन्य विकास कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे।

इस अवसर पर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि क्षेत्रवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना उनका परम कर्तव्य है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विकास कार्यों की यह गति भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी, ताकि क्षेत्र को हर दृष्टि से समृद्ध और सुव्यवस्थित बनाया जा सके।

बृज विहार मंडल उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी ने बीएलओ को एसआईआर फॉर्म भरवाने में किया सहयोग

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। बृज विहार मंडल के उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी ने गुरुवार को डीएवी स्कूल में आयोजित विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम में बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) को फॉर्म भरवाने में सक्रिय सहयोग दिया। इस दौरान उन्होंने बूथ संख्या 241, 242, 243, 244 और 245 पर उपस्थित रहकर मतदाताओं को एसआईआर फॉर्म जमा करने में मदद की।

विक्रम चौधरी वीरेंद्र सिंह, ललन सिंह, उमेद सिंह ठाकुर, सुनील पावर जेके सहाय आदि मौजूद रहे। सभी ने मिलकर मतदाताओं को फॉर्म भरने की प्रक्रिया समझाई और तुरंत जमा कराने में सहायता की। इस सहयोग से एसआईआर फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया तेज हुई और कई मतदाताओं को अपने मतदाता अधिकारों का सही उपयोग करने में सुविधा मिली। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने मतदाता जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला और भविष्य में भी इसी तरह के सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया।

जीडीए ने भूमि अधिग्रहण से प्रभावित 275 किसानों को किया आवासीय विकसित भूखण्डों का आवंटन

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की मधुबन बापूधाम आवासीय योजना से जुड़े भूमि अधिग्रहण मामलों में प्रभावित किसानों को उनके अधिकार दिलाने की दिशा में आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। लगभग 800 एकड़ भूमि के अधिग्रहण से प्रभावित किसानों द्वारा अर्जित भूमि के सापेक्ष 6/4 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्डों के आवंटन हेतु वर्ष 2010 (योजना संख्या-791) एवं वर्ष 2013 (योजना संख्या-828) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए आरक्षित भूखण्डों का नम्बरिंग ड्रॉ शुक्रवार को को हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद में आयोजित किया गया।

यह ड्रॉ अपर सचिव की अध्यक्षता में विशेषकार्याधिकारी, संयुक्त सचिव एवं बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों की उपस्थिति में पूर्ण शुचिता व पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुआ। ड्रॉ के माध्यम से भूमि अधिग्रहण से प्रभावित अवशेष 275 किसानों को 150 वर्ग मीटर से 2382 वर्ग मीटर तक के विकसित आवासीय भूखण्डों का आवंटन किया गया।

ड्रॉ प्रक्रिया के दौरान 150 वर्ग मीटर आकार के 49 भूखण्ड, 200 वर्ग मीटर के 64, 300 वर्ग मीटर के 62, 352 वर्ग मीटर के 26, 405 वर्ग मीटर के 10, 450 वर्ग मीटर के 06, 498 वर्ग मीटर के 08, 551 वर्ग मीटर के 07 तथा 595 व 650 वर्ग मीटर आकार के 06-06 भूखण्ड आवंटित किए गए। इसके अतिरिक्त 650 से 943 वर्ग मीटर एवं 943 से 2382 वर्ग मीटर के 01-01 भूखण्ड भी ड्रॉ के माध्यम से आवंटित किए गए। इस सफल आवंटन के साथ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने किसानों के हितों की सुरक्षा एवं पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। प्राधिकरण द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल विकास कार्यों को गति प्रदान करेगा, बल्कि किसानों के विश्वास और संतुष्टि को भी मजबूत करेगा।

श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड रहा है
हमारे प्रिय स्वः अरविंद कुमार गर्ग
दिनांक 20 नवंबर 2025 को प्रभु चरणों मे
लीन हो गए हैं।
ईश्वर की ऐसी ही इच्छा थी।

श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी 29 नवम्बर, दिन शनिवार
हवन – प्रातः 9.00 बजे
ब्रह्मभोज – 12 बजे अपरान्ह
निवास स्थान – आर–6/156, राजनगर, गाजियाबाद

रस्म पगड़ी स्थान – हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद
समय – दोपहर 3 से 4 बजे

शोकाकुल परिवार

सूर्य प्रकाश (भाई)
प्रणव एवं शुचि (पुत्र एवं पुत्र वधू)
मोती लाल एवं ऊषा गर्ग (भाई एवं भाभी)
अंकित एवं आरती (पुत्र एवं पुत्र वधू)
सुभाष गर्ग एवं शिल्पा गर्ग (भाई एवं भाभी)

एवं समस्त गर्ग परिवार

प्रतिष्ठान

एम. एल. स्टील्स
एम. एल. आयरन प्राईवेट लिमिटेड
आर. डी. फोर्ज प्राईवेट लिमिटेड
आर. डी. स्टील्स
विजय कुमार सूर्य प्रकाश
9810499811, 7838382018, 9810033459, 9810005078

श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नोएडा के सांसद तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा की माता श्रीमति ललिता शर्मा का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गाजियाबाद के पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी नोएडा पहुंचे और उन्होंने कैलाश अस्पताल के चेयरमैन तथा नोएडा के सांसद, पूर्व केन्द्र मंत्री महेश शर्मा की माता जी स्वर्गीय ललिता शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व विधायक सुरेन्द्र मुन्नी ने कहा कि स्वर्गीय ललिता शर्मा ने अपना सम्पूर्ण जीवन धर्म, अध्यात्म और परोपकार के सिद्धांतों के साथ पूरा किया।

आयोजन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ए ब्लॉक कविनगर वैल्फेयर एसोसिएशन द्वारा बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। 27 नवम्बर से 29 नवम्बर तक आयोजित होने वाले इस बैडमिंटन टूर्नामेंट की शुरूआत 29 नवम्बर को हुई। इस टूर्नामेंट में पांच वर्ष से दस वर्ष, दस वर्ष से 17 वर्ष, 18 वर्ष से 40 तथा 41 वर्ष से ऊपर के चार समूह बनाये गये। वैल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश चावला और महासचिव अमित चौधरी की देखरेख में ये टूर्नामेंट आयोजित हुआ।

इंदिरापुरम में नगर निगम ने हटाया अतिक्रमण 1 लाख 30 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम इंदिरापुरम ने शुक्रवार एक विशेष अभियान के तहत क्षेत्र में चल रहे अतिक्रमण को हटाते हुए, कुल 1,30,000 रुपये का जुमार्ना वसूल किया। नगर आयुक्त और जोनल प्रभारी के स्पष्ट निदेर्शों के अनुसार किया गया। आदेश के पालन में चीफ विनोद कुमार टी एस बीके लाल इंस्पेक्टर अशोक कुमार सफाई नायक संदीप कुमार ने संयुक्त रूप से कार्यवाही को अंजाम दिया।

नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के बाद क्षेत्र में स्वच्छता और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह जुमार्ना लगाया गया है। उन्होंने कहा, नगर आयुक्त और जोनल प्रभारी के आदेश पर हम पूरी सख्ती से कार्य कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी अनियमितताएँ न हों। इंदिरापुरम के नागरिकों से अनुरोध है कि वे नगर निगम के नियमों का पालन करें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग दें।